वैशाख शुक्ल पक्ष- 10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 290 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 अप्रैल 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

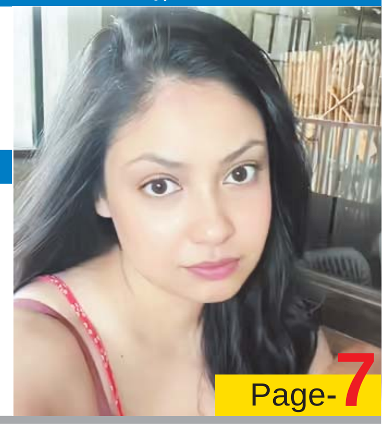
Page-7

आज का मौसम
42.4 अधिकतम
25.2 न्यूनतम

न्यूज विंडो

गुजरात स्थानीय चुनाव में अमित शाह ने किया मतदान

अहमदाबाद। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए आज मतदान जारी है। सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग में 15 नगर निगम, 84 नगरपालिकाएं, 34 जिला पंचायतें और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान डाले जा रहे है। इस चुनाव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी वोट डाला। इसके अलावा एमपी के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी समेत कई विधायकों ने भी वोट डाला है शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी तो वहीं जरूरत पड़ने पर पुनर्नतदान भी हो सकता है। रिजल्ट 28 अप्रैल को आएंगे।

बंगाल में टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी के सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं।

एमपीपीएससी परीक्षा शुरू 365 केंद्रों पर थी लेयर जांच

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 आज दो सत्रों में आयोजित की जा रही है। पहला सत्र सुबह 10 से 12 बजे और दूसरा सत्र दोपहर 2:15 से शाम 4:15 बजे तक होगा। परीक्षा ओएमआर पद्धति से हो रही है। प्रदेश के 54 जिला मुख्यालयों में कुल 365 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

» कार्यक्रम स्थल पर मची अफरा-तफरी हॉल में मौजूद लोग मेज-कुर्सी के नीचे छिपे

» गेस्ट को सुरक्षा घेरे में बाहर निकाला पकड़ा गया 30 साल का हमलावर

जिस डिनर हॉल में मौजूद थे ट्रम्प, उसके बाहर फायरिंग, बोले - यह संविधान पर हमला...

ट्रम्प की पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति वेन्स सहित कई वीआईपी उसी हॉल में थे

वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने सबसे पहले एक अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ऑफिसर को गोली मारी। गोली ऑफिसर के प्रोटेक्टिव गियर पर लगी और उन्हें लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। सूत्रों का कहना है कि ऑफिसर के बचने की उम्मीद है। इसके बाद होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। हालांकि, पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया।

डिनर की दौरान जैसे ही फायरिंग की आवाज आई, हॉल में बैठे लोग घबराकर टेबल के नीचे छिपने लगे और सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आ गए। सीएनएन ने घटना स्थल से सामने आए एक वीडियो के बारे में बताया, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, वाशिंगटन हिल्टन में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में शूटिंग से कुछ देर पहले अमेरिकन मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन से बात करते हुए दिख रहे हैं। जब पर्लमैन ट्रंप से बात कर रहे होते हैं, तो अचानक एक तेज आवाज सुनकर लोग घबरा जाते हैं। फर्स्ट लेडी मेलानिया इससे पहले कुछ समझतीं, सिक्योरिटी ने राष्ट्रपति ट्रंप समेत अन्य को कवर करते हुए स्टेज से उतारा। एक और वीडियो में, लोग टेबल के नीचे छिपे होते हैं। आनन-फानन में वहां मौजूद सिक्योरिटी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए सुरक्षा कवर बनाती है। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, वॉशिंगटन में आज की शाम काफी हलचल भरी रही। सीक्रेट सर्विस और लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों ने शानदार काम किया। उन्होंने तेजी से कार्रवाई की। हमलावर को पकड़ लिया गया है और मैंने सुझाव दिया है कि कार्यक्रम जारी रखें। उन्होंने हमलवार की तस्वीर सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर शेयर की। इसका नाम 30 वर्षीय कोल टॉमस एलन बताया जा रहा है। यह कैलिफोर्निया का रहने वाला है।

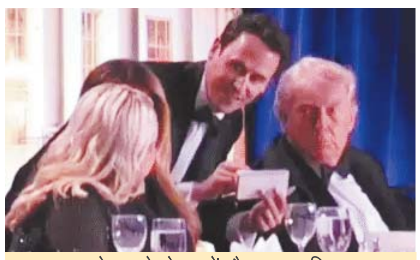
घटना के पहले होटल में मौजूद राष्ट्रपति ट्रम्प।

सुरक्षा बलों के घेरे में पकड़ा गया हमलावर।

इस तरह कुर्सी-टेबल के नीचे छुपे गेस्ट।

चश्मदीद बोले- धमाका हुआ, हम मेजों के नीचे दुबके रहे

न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्टर रीना भारद्वाज ने बताया, वॉशिंगटन के हिल्टन होटल के बैंक्वेट हॉल में अफरा-तफरी मच गई। मैंने पहले एक तेज आवाज सुनी। मुझे लगा कि शायद बर्तनों के गिरने की आवाज थी। लेकिन कुछ ही सेकंड में मैंने देखा कि वेटर अपनी ट्रे लेकर अंदर भाग रहे थे और सुरक्षित जगह ढूंढ रहे थे। तभी मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। टेबल पर बैठे लोग नीचे छिप गए। जब मुझे लगा कि अब उठना सुरक्षित है, तो मैंने देखा कि सुरक्षाकर्मी लंबी बंदूकें लिए मंच पर खड़े थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को बाहर ले जाया जा चुका था। स्कॉट बेसेंट, काश पटेल, पीट हेगसेथ, विटकॉफ समेत उनके सभी कैबिनेट सदस्यों को एक-एक करके बाहर ले जाया गया।

हर साल होता है यह डिनर

कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर मीडिया और राजनीति का एक एक खास सालाना कार्यक्रम होता है। इसे व्हाइट हाउस कवर करने वाले पत्रकारों का संगठन व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन आयोजित करता है। इसमें राष्ट्रपति खुद पर, अपने विरोधियों पर और मीडिया पर मजाक करते हैं। ट्रम्प पिछले साल इसमें शामिल नहीं हुए थे। वे 2011 में एक गेस्ट के रूप में आए थे। तभी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उनका मजाक बनाया था, जिसके बाद ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का फैसला किया था।

हिंसा का कोई स्थान नहीं - मोदी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट करते हुए कहा, यह जानकर राहत मिली कि वाशिंगटन डीसी के एक होटल में हुई हालिया सुरक्षा घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला और उपराष्ट्रपति सुरक्षित और स्वस्थ हैं। मैं उनकी निरंतर सुरक्षा और कुशल मंगल की कामना करता हूं। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए।

दिल्ली से ज्यूरिख जा रहा था प्लेन

टेकऑफ के दौरान स्विस फ्लाइट का इंजन फेल, आग लगने से छह घायल

चार नवजात समेत 232 लोग सवार थे

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस विमान का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की एलएक्स 147 फ्लाइट शनिवार रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्रियों को रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सुरक्षित बाहर निकाला गया। 6 यात्री झुलसने से घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी।

स्विस एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट LX147 से जुड़ी एक घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस A330 है।

घटना भारतीय समय के अनुसार रात एक बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया।

एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं। इस घटना के पीछे के कारणों को पूरी तरह से समझने के लिए हमारी टीम जल्द ही दिल्ली जाएगी।

सीजफायर के बावजूद कम नहीं हो रहा मिडिल ईस्ट में तनाव

शांति वार्ता अधर में, अमेरिकी नाकेबंदी ने एक और व्यापारी जहाज को रोका

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत फेल होने के बाद अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी ने अरब सागर में एक व्यापारी जहाज को इंटरसेप्ट किया है। जहाज को अपना रास्ता बदलने पर मजबूर किया गया और उसे वापस ईरानी जलक्षेत्र की ओर ले जाया जा रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह ऑपरेशन गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएस पिंकनी के नेतृत्व में किया गया। सेन्ट्रल कमांड के मुताबिक, एमवी सेवन उन 19 जहाजों में शामिल है जिन्हें अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान की शैडो फ्लीट का हिस्सा बताते हुए प्रतिबंधित किया है। अमेरिका ने इन जहाजों पर आरोप लगाया है कि ये तेल, गैस, प्रोपेन और ब्यूटेन जैसे ऊर्जा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में शामिल हैं।

ईरान के राष्ट्रपति बोले- जबरन बातचीत नहीं करेंगे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि तेहरान दबाव और धमकियों के बीच अमेरिका के साथ जबरन बातचीत नहीं करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बातचीत में पजशकियान ने कहा कि अमेरिकी कदम भरोसे को कमजोर कर रहे हैं और बातचीत की राह को मुश्किल बना रहे हैं। साथ ही उन्होंने जहाजों पर लगी नाकेबंदी हटाने को भी जरूरी शर्त बताया। शरीफ ने भरोसा दिलाया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अपनी कोशिशें जारी रखेगा।

भीषण गर्मी के कारण प्रशासन का फैसला

भोपाल में नर्सरी से आठवीं तक के स्कूल 30 अप्रैल तक बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के चलते जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते अवकाश घोषित कर दिया है। भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की तरफ से जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 30 अप्रैल 2026 तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह छुट्टी नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के छात्रों के लिए घोषित की गई है। यह आदेश भोपाल जिले के सभी सरकारी, अशासकीय (निजी), अनुदान प्राप्त, सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा।

आदेश के अनुसार इस दौरान छात्रों के लिए अवकाश रहेगा, लेकिन विद्यालय के सभी शिक्षकों को अपने नियत समय पर विद्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

गर्मी का सितम... आने वाले दिनों में और बढ़ेगी तपिश
भीषण गर्मी से देश बेहाल, कई राज्यों में स्कूल बंद, एमपी में अभी इंतजार

25 अप्रैल को दोपहर मेट्रो में प्रकाशित खबर

भोपाल में 42.4°, अप्रैल की तपिश ने बढ़ाई चिंता

भोपाल का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 3.2 डिग्री अधिक रहा। लगातार दूसरे दिन राजधानी में पारा 42 डिग्री के पार पहुंचा। दिन के साथ रात में भी गर्मी बढ़ी, न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक राजधानी में गर्मी से बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है। मध्य प्रदेश के 22 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

लखनऊ-कोलकाता, समय : शाम 7.30 बजे

आज का कार्टून

मन की बात | खेती-किसानी से आधुनिक इनोवेटर्स तक के लिए उपयोगी 'सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम'

परमाणु ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण की यात्रा में इतिहास रच रहा भारत - मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में 'सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम' पर चर्चा की और कहा कि खेती किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स की लिए भी भारत का 'सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम' ने बहुत मदद की है। उन्होंने कहा कि भारत ने विज्ञान को हमेशा देश की प्रगति से जोड़कर देखा है। इसी सोच के साथ हमारे वैज्ञानिक 'सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम' को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयासों से यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहा है। इससे हमारे औद्योगिक विकास, ऊर्जा क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले,

हमारे न्यूक्लियर वैज्ञानिकों ने एक और बड़ी उपलब्धि से भारत का गौरव बढ़ाया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। दरअसल, क्रिटकैलिटी वह चरण है, जिसमें रिएक्टर पहली बार स्व-पोषी नाभिकीय श्रृंखला अभिक्रिया में सफलता हासिल करता है। इस चरण का मतलब है रिएक्टर का ऑपरेशन फेज में पहुंचना। भारत की परमाणु ऊर्जा की यात्रा में यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

प्रधानमंत्री ने ब्रीडर रिएक्टर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ब्रीडर रिएक्टर के पीछे भी एक वजह है। यह एक ऐसा सिस्टम है, जो ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ भविष्य के लिए नया ईंधन भी खुद ही तैयार करता है। मार्च 2024 के एक क्षण को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मुझे मार्च 2024 का वह समय भी याद है, जब मैं कलपक्कम में रिएक्टर की कोर लोडिंग का साक्षी बना था। मैं उन सभी को बधाई देता हूं, जिन्होंने भारत के परमाणु कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

हमारी ताकत... विंड एनर्जी

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं एक ऐसी ताकत के बारे में बात करना चाहूंगा जो दिखाई नहीं देती... लेकिन उसके बिना हमारा जीवन एक पल के लिए भी नामुमकिन है। यही वो ताकत है जो भारत को आगे ले जा रही है। ये है हमारी विंड एनर्जी... आज यही विंड पावर भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। भारत ने हाल ही में विंड एनर्जी में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। अब भारत की विंड जेनरेशन कैपेसिटी 56 गीगावॉट से ज्यादा हो गई है और इस क्षेत्र में दुनिया में चौथे नंबर पर है। भगवान गौतम बुद्ध की जीवन संदेश का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा-बुद्ध ने हमें सिखाया कि शांति अंदर से शुरू होती है। खुद पर जीत सबसे बड़ी जीत है। आज दुनिया जिस तरह के तनाव और संघर्षों से गुज़र रही है, उसे देखते हुए बुद्ध के विचार और भी ज़्यादा काम के हैं।

ऑपरेशन फेस में बड़ा खुलासा

एक चेहरे से 75 फर्जी सिम जारी, पुलिस ने 7 को दबोचा साइबर अपराध में सिम इस्तेमाल होने की आशंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऑपरेशन फेस के तहत फर्जी सिम कार्ड एक्टिवेशन के खिलाफ भोपाल देहात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात पीओएस एजेंटों को गिरफ्तार किया है। ये एजेंट एक ही चेहरे का उपयोग कर अलग-अलग ग्राहकों के दस्तावेजों से सिम जारी कर रहे थे।

जांच में सामने आया कि बैरसिया क्षेत्र में पांच पीओएस एजेंट प्रीतम कुशवाहा, इरफान खान, राजेंद्र सिंह, वसीम खान और प्रीतम सिंह साहू ने एक ही चेहरे का इस्तेमाल कर 75 फर्जी सिम कार्ड जारी किए। पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लालच में करते थे दस्तावेजों का दुरुपयोग

आरोपित एजेंट अधिक सिम बेचने पर मिलने वाले प्रोत्साहन के लालच में ग्राहकों के दस्तावेजों की फोटो कॉपी अपने पास रख लेते थे और उनका दुरुपयोग करते थे।

गुनगा में भी फर्जीवाड़े का खुलासा

पुलिस को आशंका है कि इन फर्जी सिमों का उपयोग साइबर अपराधों में किया गया होगा। सभी आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है। एक अन्य मामले में गुनगा क्षेत्र से दो पीओएस एजेंटों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पाया गया कि अब्दुल फराज के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर 12 फर्जी सिम जारी किए गए। इनमें से 9 सिम योगेश (निवासी गुनगा) और 3 सिम जावेद खान (निवासी धमारा, गुनगा) तथा उसके साथी सैफ अली द्वारा जारी किए गए थे।

जिम में निवेश का झांसा देकर ठगी

भोपाल। ऐशबाग इलाके में जिम में निवेश के नाम पर 32 लाख रुपए ऐंठ लिए। घटना 3 साल पुरानी है, जबकि शिकायत के एक साल बाद जाकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी कबीश माहेश्वरी, जो निजी नौकरी करते हैं, उनकी मुलाकात वर्ष 2022 में शुभम गुप्ता नाम के युवक से हुई थी। आरोपी ने उन्हें जिम बिजनेस में निवेश का प्रस्ताव दिया और कहा कि इसमें मोटा मुनाफा होगा। उसने भरोसा दिलाया कि यदि वे 32 लाख रुपए निवेश करते हैं, तो जल्द ही अच्छा रिटर्न मिलेगा। आरोपी की बातों में आकर फरियादी ने उसे पूरी रकम दे दी, लेकिन न तो जिम शुरू हुआ और न ही कोई मुनाफा मिला। जब कबीश ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपी टालमटोल करने लगा और बाद में धमकियां देने लगा। इससे परेशान होकर फरियादी ने एक साल पहले ऐशबाग थाने में लिखित शिकायत दी थी। टीआई संदीप पवार ने बताया कि शिकायत की जांच के बाद अब आरोपी शुभम गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर निवेश के नाम पर होने वाली ठगी के मामलों को उजागर कर दिया है, जहां लोग झांसे में आकर बड़ी रकम गंवा बैठते हैं।

पुलिसिंग में बड़ा बदलाव

हर सोमवार देनी होगी माइक्रो बीट रिपोर्ट, सिपाही तक जवाबदेही तय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने सिपाही स्तर तक जवाबदेही तय कर दी है। अब हर पुलिसकर्मी को अपनी माइक्रो बीट की साप्ताहिक डायरी बनाकर हर सोमवार प्रस्तुत करनी होगी। इससे बीट स्तर पर निगरानी बढ़ेगी और अपराध रोकथाम पर फोकस रहेगा।

शहर के सभी थाना क्षेत्रों को माइक्रो बीट में बांटकर बीट प्रभारी (सिपाही-हवलदार) और स्टाफ को जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें अपने क्षेत्र की हर गतिविधि का रिकॉर्ड रखना होगा। संदिग्धों, वारंटियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखकर अपराध रोकने का लक्ष्य है।

हर सोमवार डायरी की समीक्षा थाना प्रभारी करेंगे और रिपोर्ट एसीपी को भेजी जाएगी। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा कि बेहतर काम पर इनाम और लापरवाही पर कार्रवाई होगी। नई व्यवस्था से बीट स्तर की जानकारी अपडेट रहेगी, सिस्टम गैप खत्म होगा। आम लोगों की सुरक्षा मजबूत होगी।

सिपाही को फॉर्म में यह भरना होगा

जनसंवाद और वाट्सएप ग्रुप में जोड़े गए नागरिकों की संख्या 6 एफआरवी कॉल और बीट में बारकोड व मोबाइल नंबर चस्पा 6 गुप्त सूचना नेटवर्क व नगर रक्षा समिति के नए सदस्य अशांत/संवेदनशील क्षेत्र और वहां लगाए गए सीसीटीवी कैमरे 6निगरानी गुंडे, चाकूबाज व जेल से छूटे बदमाशों की जांच 6शराबियों पर आबकारी एक्ट और एनडीपीएस के तहत कार्रवाई समंस, नोटिस और जमानती वारंट की प्राप्ति व तामील 6 गिरफ्तारी, बाउंड ओवर व अवैध हथियार जब्ती 6 जिला बदर बदमाशों पर कार्रवाई और दुर्घटना स्थलों का सुधार 6 बैंक चेकिंग, किराएदार सत्यापन व बिना नंबर वाहनों की सूचना।

एसआईपी अबेकस टाइम गेम का शुभारंभ

भोपाल। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में महापौर मालती राय ने आज एसआईपी अबेकस टाइम गेम कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अन्ना नगर में कचरा प्लांट में भीषण आग, 25 टन कचरा जला आठ घंटे से 11 फायर स्टेशन की गाड़ियां काबू में करने में जुटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के अन्ना नगर स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में शनिवार देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण है कि 8 घंटे बाद भी काबू में नहीं आई है। 11 फायर स्टेशन से 50 से ज्यादा दमकल-टैंकर पानी अब तक डाला जा चुका है। आग में यहां रखा 25 टन कचरा जलकर राख हो गया है।

अन्ना नगर में यह कचरा प्लांट मुख्य रोड से 10 मीटर की दूरी पर भी नहीं है। इस वजह से इलाके में हड़कंप की स्थिति है। सड़क किनारे रहने वाले लोग रातभर नहीं सोए। रात में ही निगम अफसर मौके पर पहुंचे। वहीं, हालात को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया।

कपड़ों की वजह से काबू में नहीं आग

जानकारी के अनुसार, इस गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में रिसीलिंग वाला कपड़ों का ढेर लगा था। यह करीब 150 टन था। वहीं, 25 टन कचरा भी था। रिसाइकलिंग यूनिट में सबसे पहले आग लगी थी, जो करीब एक महीने से बंद पड़ा था। हालांकि, आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हो सका है।

सभी स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंची

गोविंदपुरा, फतेहगढ़, बैरागढ़, कोलार, गांधीनगर समेत सभी 11 फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर भेजी गई। शनिवार रात करीब 12 बजे आग लगी थी, जो रविवार सुबह 8 बजे तक भी काबू में नहीं आई है। अभी भी काफी हिस्से में आग भभक रही है।

क्रांतिवीरों की याद में 28 अप्रैल को निकाली जाएगी शौर्य यात्रा

जंबूरी मैदान में होगा आयोजन, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वतंत्रता संग्राम के भूले-बिसरे नायकों और जनजातीय वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल में 28 अप्रैल को बड़े स्तर पर शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी। यह आयोजन क्रांतिवीर हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस पर जंबूरी मैदान में होगा, जिसमें प्रदेशभर से लोग शामिल होने की संभावना है। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा, नर्मदा टाइगर हिरदेशाह शोध संस्था और गोंड महासभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल इसकी अध्यक्षता करेंगे।

नरवर शाह को याद किया जाएगा

बताया गया कि अंग्रेजों की कठोर नीतियों और किसानों पर बढ़ते करों के विरोध में यह आंदोलन शुरू हुआ था। उस समय जमीन संबंधी कानूनों ने किसानों, जमींदारों और स्थानीय राजाओं की स्थिति कमजोर कर दी थी, जिसके विरोध में व्यापक विद्रोह खड़ा हुआ। हिरदेशाह लोधी की गिरफ्तारी के लिए अंग्रेजों ने बड़ा इनाम घोषित किया था। बाद में उन्हें धोखे से गिरफ्तार कराया गया और लंबे समय तक जेल में रखा गया। 28 अप्रैल 1858 को वे शहीद हो गए। कार्यक्रम में गोंड राजा डेलन शाह, नरवर शाह, मधुकर शाह बुंदेला, गजराज सिंह समेत कई अन्य वीरों के योगदान को भी याद किया जाएगा, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया।

जनजातीय वीरों की याद में निकलेंगी शौर्य यात्रा

इस आयोजन की जानकारी देते हुए पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल और पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी ने बताया कि शौर्य यात्रा उन क्रांतिकारी राजाओं, जनजातीय वीरों और योद्धाओं को याद करने का प्रयास है, जिनके संघर्ष ने आजादी की लड़ाई की नींव रखी, लेकिन इतिहास में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति से पहले ही वर्ष 1842 में कई स्थानीय राजाओं और आदिवासी नेतृत्व ने अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठा लिए थे। इस आंदोलन का नेतृत्व हिरापुर के राजा हिरदेशाह लोधी ने किया था। उनके साथ कई बुंदेला और गोंड शासक भी इस संघर्ष में शामिल हुए थे।

कटाई के लिए मजदूर नहीं, चना-सरसों-उड़द का रकबा घटा

फसलों की कटाई मशीन नहीं, हाथों पर निर्भर, फ्रीबीज ने बदला क्रॉप पैटर्न

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फ्रीबीज का असर अब राज्य में क्रॉप पैटर्न पर भी दिखाई देने लगा है। मप्र में चार ऐसी फसलें हैं जिनका उत्पादन और रकबा पिछले कुछ सालों से लगातार गिर रहा है। इसमें से दो फसलें सरसों और चना तो ऐसी हैं जिनका बाजार भाव अच्छा होने के बावजूद किसान उन्हें इसलिए लगाना छोड़ रहे हैं कि उनकी कटाई के वक्त मजदूर नहीं मिलते। दोनों ही फसलों की कटाई के लिए अब तक कोई कारगर मशीनी विकल्प मौजूद नहीं हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में दलहन के उत्पादन में 21.90 फीसदी, राई-सरसों में 45.82 फीसदी और गन्ने में 19.50 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह स्थिति तब है, जब राज्य सरकार वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। दलहन में सबसे ज्यादा गिरावट चने और उड़द (32.87त्न) में दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार किसान सरसों और चने की फसलों को छोड़ रहे हैं, क्योंकि इनकी हार्वेस्टिंग के लिए पर्याप्त मशीनरी उपलब्ध नहीं है। इन फसलों की कटाई में मजदूरों की अधिक आवश्यकता होती है, जो आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

गेहूं-मक्का, मूंग-मटर की ओर बढ़ा रुझान: मप्र में उन फसलों का रकबा और उत्पादन बढ़ रहा है, जिनमें लागत कम है और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी हो रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में खाद्यान्न (अनाज) फसलों के रकबे में 4.39त्न और उत्पादन में 14.68त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। सरसों उगाने वाले किसान अब गेहूं की ओर शिफ्ट हो रहे हैं।

बुवाई-कटाई के 60 दिन अन्य काम न कराने का विकल्प: विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) योजना में कृषि अंतराल (एग्रीकल्चर पॉज) के 60 दिन तय करने के अधिकार राज्य सरकार के पास हैं। इसमें फसलों, बुवाई और कटाई के समय वाले 60 दिनों में वीबी-जी रामजी में सरकार मजदूरों से कोई काम नहीं कराएगी। अगले कृषि वर्ष से इसके लिए अधिसूचना जारी की जाएगी।

कम लागत की फसलें चुन रहे किसान: सरसों और चने का रकबा घटने की बड़ी वजह इनकी हार्वेस्टिंग की कठिनाइयां हैं। दोनों फसलों की कटाई पूरी तरह मशीनों से नहीं हो पाती और मजदूर मिल नहीं पाते। पिछले कुछ वर्षों से बोवनी और कटाई के समय बेमौसम बारिश भी बड़ा कारण रही है। दलहन-तिलहन के उत्पादन में गिरावट का एक कारण नई बीज किस्मों का अभाव भी है। रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर में फंडिंग की कमी इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है।

लघुकथा शोध केंद्र समिति की कार्यशाला का आयोजन

भोपाल/मुंबई. दोपहर मेट्रो।

कफ परेड स्थित सुनीता बिल्डिंग में वरिष्ठ साहित्यकार भगवती मित्तल के आतिथ्य में एक लघुकथा कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में लघुकथा शोध समिति की निदेशक कांता राय सहित अनेक वरिष्ठ लघुकथाकारों की उपस्थिति रही। इसमें लघुकथा की बारीकियों, उसके स्वरूप, विकास और इतिहास पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में सभी रचनाकारों ने अपनी-अपनी लघुकथाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अलका पांडे द्वारा उनकी लघुकथा 'सौदा' के वाचन से हुई, जिसके पश्चात सीमा द्विवेदी,आभार गोयल,और अन्य प्रतिभागियों ने भी अपनी अपनी लघुकथाएँ प्रस्तुत कीं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अलका पांडे, डॉ. सुजाता उदेशी, सीमा श्रीवास्तव, , मधु चौधरी, अर्चना झा, सुनीता अंभोरे, डॉ. रमेश यादव, मृदुल प्रभा, सुनीता मंडेलिया, अलका अग्रवाल, कांता राय, ममता माली, दिनेश शाकुल, सीमा त्रिवेदी, सेवा सदन प्रसाद, अमिता केडिया, संध्या गुप्ता, ममता झा, सर्वेश, डॉ. निर्मोही फडके, डॉ. देवीदास के. बामणे 'संघर्ष', समीरा पत्रावाला, ऊषा सक्सेना, ऋतु सक्सेना, रीना अग्रवाल एवं आभा गोयंका सहित अनेक साहित्यकार शामिल रहे।

मेट्रो एंकर आरएसएस विक्रम भाग के शताब्दी वर्ष पर मेधावी छात्रों का सम्मान, प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

आत्म पहचान व अनुशासन ही सफलता की असली कुंजी : गर्गे

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विक्रम भाग द्वारा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रतिभावान छात्र सम्मेलन एवं प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं संत जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के घोष प्रमुख श्री नितिन गर्गे उपस्थित रहे। उनके साथ जिला प्रचारक अतुल कुषवाह, अनुराग जैन, नगर संघ चालक बसंत चेलानी, कार्यक्रम संयोजक सुरेश राजपाल सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अपने संबोधन में नितिन गर्गे ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले स्वयं को पहचानना जरूरी है। अपनी क्षमता, रुचि और उद्देश्य को समझकर ही सही दिशा तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, सही प्राथमिकताएं और अनुशासित दिनचर्या व्यक्ति को सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहकर पूरी निष्ठा से लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल, केटी शाहनी स्कूल, सिंधु मिडिल स्कूल, क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंत में नगर संघ चालक बसंत चेलानी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा, बोले

गंगा दशहरा पर चले अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने की मुहिम

जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में जनभागीदारी को करें प्रोत्साहित

सभी जिले ऐसा नवाचार करें, जो राष्ट्रीय स्तर पर बनें उदाहरण

मध्यप्रदेश जल संचय भागीदारी अभियान में अग्रणी है देश में

अभियान अंतर्गत 16 विभागों की 82 गतिविधियां संचालित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 19 मार्च से आरंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। जिलों द्वारा अभियान के अंतर्गत कई नवाचार किए जा रहे हैं। सभी प्रदेशवासी अपने आस-पास की जल संरचनाओं की बेहतरी के कार्य से जुड़ें, इस उद्देश्य से 25 मई गंगा दशहरा पर विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से इस अवसर पर ग्राम और वार्ड स्तर पर कुंआ, बावड़ी, तालाब, नहर आदि की सामूहिक सफाई, पौधरोपण, घाटों की सफाई और जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सामूहिक श्रमदान को प्रोत्साहित किया जाए। इन गतिविधियों में पंचायत और नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारी संगठनों और अन्य संस्थाओं को जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

विभागों द्वारा संचालित गतिविधियों की मॉनीटरिंग की जाए

सीएम ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 16 विभागों की 82 गतिविधियां चिन्हित की गई हैं। जल संचय भागीदारी अभियान में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी है। डिंडोरी और खण्डवा जिले राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहे हैं। सभी जिले ऐसा नवाचार करें, जो राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनें। प्रत्येक विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों की मॉनीटरिंग की जाए तथा इस आधार पर जिलों की रैकिंग भी सुनिश्चित हो। गर्मियों में जनसामान्य के लिए प्याऊ लगाने, पेयजल स्त्रोतों के आस-पास सफाई, स्कूल और आंगनवाड़ी स्तर पर पेयजल स्त्रोतों के जल का गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से जल संरक्षण के लिए समाज में वातावरण निर्माण के उद्देश्य से व्यापक गतिविधियां संचालित की जाएं।

नगरीय निकायों में सौंदर्यीकरण के लिए किया जा रहा प्रोत्साहित

बैठक में बताया गया कि वन भूमि पर विकास कार्यों की अनुमति के लिए ऑनलाइन ऐप विकसित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 6 हजार 232 करोड़ रूपए की लागत से 2 लाख 43 हजार 887 कार्यों का लक्ष्य है। अभियान में गतिविधियों के संचालन में खण्डवा, खरगोन, डिण्डोरी, राजगढ़ और बालाघाट प्रथम रहे। नगरीय निकायों में रैन वॉटर हार्वेस्टिंग, नाले-नालों की सफाई और सौन्दर्यीकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत प्रथम पांच जिले बैतूल, अशोकनगर, बालाघाट, डिण्डोरी और नरसिंहपुर रहे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण के साथ ही पाइप लाइनों और नलों के लीकेज सुधारने जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्थाएं प्रभात फेरियों, रैलियों, जल संगोष्ठियों, दीवार लेखन और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम स्तर पर अभियान के लिए वातावरण निर्मित कर रही है।

दी गई गतिविधियों की जानकारी

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, स्कूल शिक्षा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, प्रदूषण नियंत्रण बार्ड, वन विभाग, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम, जन अभियान परिषद, उच्च शिक्षा, संस्कृति विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास तथा राजस्व विभाग द्वारा संचालित की गतिविधियों की जानकारी दी गई। बैठक में कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एमपी में बनेगी एकीकृत दिव्यांग नीति

मानसिक दिव्यांग वयस्कों के लिए शुरू होंगे विशेष शेल्टर होम, मिलेगी राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के लिए पहली बार एक व्यापक और एकीकृत नीति लाने की तैयारी में है। वर्ष के अंत तक इस नीति का प्रारूप तैयार किए जाने की संभावना है। इसके तहत मानसिक रूप से दिव्यांग 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष आवासीय सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सरकार इस नई नीति को अंतिम रूप देने से पहले तेलंगाना और त्रिपुरा समेत अन्य राज्यों की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगी, ताकि बेहतर मॉडल अपनाया जा सके। नई नीति का उद्देश्य अलग-अलग विभागों में बंटी योजनाओं को एक समन्वित ढांचे में लाना है, जिससे दिव्यांगजनों को सुविधाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

फिलहाल शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय विभाग अपनी-अपनी योजनाओं के तहत दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। प्रस्तावित नीति इन सभी योजनाओं को जोड़कर एक समग्र व्यवस्था तैयार करेगी। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में 2011 की जनगणना और यूनिक डिसेबिलिटी आईडी के आधार पर करीब 10 लाख दिव्यांगजन दर्ज हैं। माना जा रहा है कि आगामी जनगणना में दिव्यांगों की संख्या में बड़ा इजाफा सामने आ सकता है, क्योंकि पहले जहां सात श्रेणियों के आधार पर आंकड़े जुटाए गए थे, वहीं अब 21 प्रकार की दिव्यांगताओं को शामिल किया जाएगा।

100 बिस्तर वाले विशेष आश्रय गृह स्थापित किए जाएंगे

नई नीति तैयार करने के दौरान सरकार दिव्यांगजनों, सामाजिक संगठनों और इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं से सुझाव लेगी। इसके लिए ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों का भी दौरा किया जाएगा, क्योंकि इन इलाकों में दिव्यांगजनों को सुविधाओं तक पहुंचने में ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। नीति में यह भी प्रस्ताव है कि 18 वर्ष से अधिक आयु के मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संभाग स्तर पर 100 बिस्तरों वाले विशेष आश्रय गृह स्थापित किए जाएं। वर्तमान में राज्य में वयस्क मानसिक दिव्यांगजनों की देखभाल के लिए पर्याप्त संस्थागत व्यवस्था नहीं है।

4 दिन में बाघ के 3 शावकों की मौत

केटीआर में अमाही बाघिन का सिर्फ एक शावक बचा, भूख से मौत की आशंका

मंडला, दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला जारी है। अमाही बाघिन (टी-141) के तीसरे शावक की भी मौत हो गई है। शनिवार शाम को मादा शावक का शव सरही जोन में मिला, जिसे पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर भेजा गया है। यह इस महीने रिजर्व में बाघों से जुड़ी चौथी घटना है।

ये तीनों शावक मशहूर बाघिन अमाही (टी-141) के थे और इनकी उम्र करीब 12 महीने थी। इस घटना के बाद पार्क की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है कि दो शावकों के पेट पूरी तरह खाली थे। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि उनकी मौत भूख की वजह से हुई है।

पहला शावक 21 अप्रैल को अमाही नाला के पास मिला था, जबकि दूसरा 24 अप्रैल को ईंटावारे नाला में मिला। पानी में होने की वजह से दूसरे शावक का शव काफी गल चुका था। वहीं शनिवार रात को तीसरे शावक का शव मिला है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शावक के शव का पोस्टमार्टम आज रविवार सुबह किया जाएगा। बारीकी से जांच के लिए शव को जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ (स्ङ्क्स्न॥) भेजा गया है। वहां मौत के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

बाघिन के दो नर शावकों की पहले हो चुकी मौत- इससे पहले, अमाही बाघिन के दो नर शावकों की मौत 21 अप्रैल और 24 अप्रैल को हो चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण भूख बताया गया था। अमाही बाघिन के कुल चार शावक थे, जिनमें से अब तक तीन की जान जा चुकी है।

मां पर निर्भर थे शावक- विशेषज्ञों का कहना है कि एक साल की उम्र के शावक खुद शिकार नहीं कर पाते और भोजन के लिए अपनी मां पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे में यह सवाल बड़ा हो गया है कि बाघिन शिकार क्यों नहीं कर पा रही थी। बताया जा रहा है कि बाघिन खुद भी काफी कमजोर हो गई है, जिसे अब प्रबंधन की ओर से अलग से खाना (फीड) दिया जा रहा है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक महीने में चौथी मौत

गौरतलब है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में इस महीने यह चौथी बाघ की मौत है। इससे पहले 5 अप्रैल को मादा बाघ टी-122 और 21 व 24 अप्रैल को टी 141 के दो शावकों की मौत हुई थी। 24 अप्रैल को ही पार्क से सटे बालाघाट जिले के बैहर वन परिक्षेत्र में भी एक बाघ का शव मिला था, जिससे पूरे क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आठ महीनों में 10 बाघों की मौत- कान्हा में बाघों की मौत के आंकड़े डराने वाले हैं। अकेले अप्रैल महीने में ही अब तक 4 बाघों की जान जा चुकी है। वहीं, पिछले 8 महीनों का रिकॉर्ड देखें तो रिजर्व में 10 बाघ और 5 तेंदुओं की मौत हो चुकी है। कान्हा के उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा का कहना है कि अब बाकी बचे एक शावकों और बाघिन पर डॉक्टरों की मदद से लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत की असली वजह साफ हो सकेगी।

बाघिन कमजोर, शावक की हालत पर चिंता बढ़ी

बाघिन की स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है, जिससे उसके और बचे हुए एक शावक की हालत को लेकर चिंता बढ़ गई है। उप संचालक (कोर) प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि लगातार हो रही मौतों के कारणों की गहराई से जांच के लिए शव को एसडब्ल्यूएफएच भेजा जा रहा है और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल पूरे किए जा रहे हैं।

10वीं और 12वीं बोर्ड के नतीजों ने खोली भोपाल की पोल

एक स्कूल में 30 में से 28 छात्र फेल, 12 प्रिंसिपल को नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल जिले में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के कमजोर परिणाम को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग कार्रवाई करने की तैयारी में है। बीते दिनों जिला शिक्षा अधिकारी(डीईओ) एनके अहिरवार ने 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में खराब प्रदर्शन के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई और जवाबदेही तय की गई।

बैठक में कई प्राचार्यों ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने से नियमित पढ़ाई प्रभावित हुई। शासकीय उमावि छोला के प्राचार्य चक्रेश जैन ने बताया कि उनके स्कूल के लगभग सभी शिक्षक एसआईआर कार्य में व्यस्त थे, जिससे कक्षाएं नियमित नहीं लग पाईं।

कुछ अन्य प्राचार्यों ने अतिथि शिक्षकों की गुणवत्ता और उपलब्धता पर भी सवाल उठाए। बैरसिया क्षेत्र के दो स्कूलों के प्राचार्यों ने यह भी कहा कि पहली बार कैमरों की निगरानी में परीक्षा देने से विद्यार्थियों पर मनोविज्ञानी दबाव पड़ा, जिससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। शिक्षा विभाग अब कमजोर स्कूलों पर विशेष फोकस कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नियमित कक्षाएं संचालित करने और निगरानी बढ़ाने से आने वाले वर्षों में परिणाम सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

खराब प्रदर्शन पर सख्ती और नोटिस जारी

डीईओ ने 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले 12 स्कूलों के प्राचार्यों को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब मांगा है। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि जिन स्कूलों का प्रदर्शन खराब रहा है, वहां पुराने अतिथि शिक्षकों को दोबारा नियुक्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने इन स्कूलों के लिए सुधारात्मक लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं।

आंकड़ों में स्थिति चिंताजनक

10वीं कक्षा में 10 स्कूलों का परिणाम 30 प्रतिशत से कम और 20 स्कूलों का 50 प्रतिशत से कम रहा। हालांकि 11 स्कूलों ने 90 प्रतिशत से अधिक और आठ स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम भी दर्ज किया। वहीं 12वीं कक्षा में दो स्कूलों का परिणाम 30 प्रतिशत से कम और तीन स्कूलों का 50 प्रतिशत से कम रहा, जबकि कोई भी स्कूल शत-प्रतिशत परिणाम हासिल नहीं कर सका। राजधानी के छह स्कूलों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा, जहां सफलता दर 13 प्रतिशत से भी नीचे रही। ईदगाह हिल्स स्थित परी बाजार स्कूल में 30 में से 28 छात्र फेल हो गए और परिणाम मात्र 6.67 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैरसिया, नजीराबाद, धूटखेड़ी, माजिदगढ़ और जहांगीरिया क्षेत्रों के स्कूलों में भी अधिकांश छात्र असफल रहे।

प्रदेश के दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर लगेंगी स्मार्ट मशीनें

भोपाल। मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरी पहल होने जा रही है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ही अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के जरिए दूध के वजन और गुणवत्ता की तुरंत जांच हो सकेगी, जिससे मिलावट और गड़बड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को उनके दूध का सही मूल्य मिलेगा, वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर गुणवत्ता वाला दूध पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अभी कई स्थानों पर दूध की जांच और वजन की प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं। नई मशीनों में दूध का वजन करने और उसकी गुणवत्ता जांचने की सुविधा एक साथ होगी।

पंचायतों, वार्डों में अब नहीं लगेंगे सोलर लाइट, सोलर हाईमास्ट

ऊर्जा विभाग की कलेक्टरों को चिट्ठी कहा- बर्बाद होता है सरकार का पैसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक ओर लोगों को सोलर एनर्जी के अधिकाधिक उपयोग के लिए राज्य सरकार प्रोत्साहित कर रही है, वहीं दूसरी ओर शासन ने यह तय किया है कि प्रदेश में पंचायतों और शहरों के वार्डों में अब सोलर लाइट, सोलर ट्री, हाईमास्ट और सोलर स्टड नहीं लगाए जाएंगे।

ऊर्जा विभाग ने विभाग कलेक्टरों से कहा है कि शहरों, वार्डों और पंचायतों में ऐसे उपकरण लगाए जा रहे हैं, लेकिन इनकी सफाई नहीं होने से ये बेकार हो जाते हैं। इसलिए इन उपकरणों को सरकारी पैसा खर्च कर नहीं लगाया जाए ताकि शासन का नुकसान रोका जा सके। ऊर्जा विकास निगम ने मुख्य सचिव की मौजूदगी में हुई बैठक में लिए गए निर्णय का हवाला देते हुए सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं कि राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में हुए फैसले के मुताबिक स्थानीय निकायों में सोलर लाइट, सोलर ट्री, हाईमास्ट और सोलर स्टड जैसे उपकरण नहीं लगाए जाएं। कलेक्टरों से कहा गया है कि वे जिलों में पंचायतों और शहरी वार्डों में इन उपकरणों का शासन के खर्च से नहीं लगने दें ताकि शासन के पैसे की बर्बादी को रोका जा सके।

पौने दो साल पहले लिया था निर्णय

प्रदेश सरकार ने करीब पौने दो साल पहले 9 सितम्बर 2024 को यह फैसला किया था कि स्थानीय निकायों द्वारा जो सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर स्टड, हाईमास्ट लाइट और सोलर ट्री जैसे उपकरण शासन द्वारा दी गई राशि से या सीएसआर फंड से कराए जाते हैं उस राशि का दुरुपयोग होता है। इसकी वजह यह है कि सोलर के ऐसे उपकरण लगवाने के बाद इन उपकरणों की सफाई दुष्कर है, जिसके चलते ये कुछ समय के अंतराल के बाद बेकार हो जाते हैं।

रीवा के गौरव सौरभ, इसरो में बने वैज्ञानिक

चंद्रयान को देखकर ठानी थी उड़ान छोटे से गांव से निकल छुआ आसमां

रीवा। कहते हैं कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती—और अगर इरादे मजबूत हों, तो एक छोटे से गांव से निकलकर भी इंसान आसमान छू सकता है। मध्यप्रदेश के रीवा जिले की जवा तहसील के छोटे से गांव पुरौना के युवा सौरभ द्विवेदी ने यही कर दिखाया है। उनका चयन देश की प्रतिष्ठित संस्था भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में वैज्ञानिक के रूप में हुआ है, जो न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गया है।

सौरभ एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता शैलेन्द्र द्विवेदी एक शिक्षक हैं, जिन्होंने हमेशा शिक्षा को प्राथमिकता दी, जबकि उनकी मां गीता द्विवेदी ने हर मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाया। सौरभ की शुरुआती पढ़ाई शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट क्रमांक-एक विद्यालय से हुई। इसके बाद उन्होंने भोपाल से बीटेक और फिर देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी दिल्ली से एमटेक की पढ़ाई पूरी की। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को छोटा नहीं होने दिया। सौरभ के जीवन में एक अहम मोड़ तब आया जब उन्होंने चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण को देखा। उस ऐतिहासिक पल ने उनके भीतर एक नई ऊर्जा और सपना जगाया। उन्होंने उसी समय तय कर लिया था कि एक दिन वे भी देश के अंतरिक्ष मिशनों का हिस्सा बनेंगे।

दोपहर मेट्रो

यहां मौजूद है दुनिया के सबसे महंगे आम का बागान

जबलपुर में देसी सुरक्षा में पक रहा दुर्लभ फल, कीमत 3 लाख किलो

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक किलो आम की कीमत इतनी हो सकती है कि उतने में आप एक लग्जरी कार या स्पोर्ट्स बाइक घर ले आएं? मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक ऐसा ही बागान है, जहां आम की फसल को किसी वीवीआईपी की तरह Z+ लेवल की सुरक्षा दी जा रही है। हम बात कर रहे हैं दुनिया के सबसे महंगे और दुर्लभ आम मियाजाकी की। जबलपुर से महज 25 किलोमीटर दूर हिनौता गांव के एक बागान में उगने वाले इस आम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3 लाख रुपये प्रति किलो है। इसकी अत्यधिक कीमत के कारण सोशल मीडिया पर लोग मजाक में कहते हैं कि ÷इसे स्वाद चखने के लिए भी बैंक से लोन लेना पड़ सकता है।

क्यों खास है मियाजाकी?- मूल रूप से जापान की विरासत माना जाने वाला यह आम अपनी रंगत और स्वाद के लिए मशहूर है। यह गहरा लाल और बैंगनी होता है। इसके आकार और रंग के कारण इसे सूर्य का अंडा भी कहा जाता है। एक फल का वजन लगभग 350 ग्राम तक होता है।

इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं और शुगर कंटेंट अन्य आमों के मुकाबले काफी अधिक होता है।

सुरक्षा ऐसी कि परिंदा भी पर न मार सके- हिनौता गांव के इस श्री महाकालेश्वर हाइब्रिड फार्महाउस में सुरक्षा के इंतजाम देखकर कोई भी हैरान रह जाए। आम के पेड़ों की निगरानी के लिए किसी किले जैसी किलेबंदी की गई है। सुरक्षा के लिए 17 जर्मन शेफर्ड और 3 खूंखार देसी कुत्ते तैनात हैं। 15 से अधिक हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे पूरे बागान पर नजर रखते हैं। गाड्र्स की एक विशेष टीम दिन-रात हथियारों और टॉर्च के साथ पहरा देती है।

संकल्प और रानी सिंह की मेहनत का कमाल

इस 4 एकड़ में फैले जादुई बागान के मालिक संकल्प परिहार और उनकी पत्नी रानी सिंह परिहार हैं। उनके पास न सिर्फ मियाजाकी, बल्कि दुनिया भर की बेहतरीन वैरायटी का संग्रह है

अफगानिस्तान: नूरजहां

चीन: आइवरी

अमेरिका: ब्लैक मैंगो और सेंसेशन

मलेशिया: जंबो ग्रीन

इसके अलावा यहां आम्रपाली, दशहरी और लंगड़ा जैसे पारंपरिक आम भी ऑर्गेनिक खाद की मदद से उगाए जाते हैं।

फलों की सेहत का वीआईपी ट्रीटमेंट

इस बागान में रसायनों का इस्तेमाल वर्जित है। पौधों को केवल ऑर्गेनिक खाद दी जाती है। फलों को कीड़ों, तेज धूप और पक्षियों से बचाने के लिए उन्हें ग्रो बैग और ग्रीन नेट से ढका जाता है। जबलपुर का यह मियाजाकी आम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। एक्सपोर्ट के लिए तैयार यह लग्जरी फल यह साबित करता है कि खेती अगर सही तकनीक और जुनून के साथ की जाए, तो वह सोना भी उगल सकती है।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 26 अप्रैल 2026

हेल्थ इंडस्ट्री

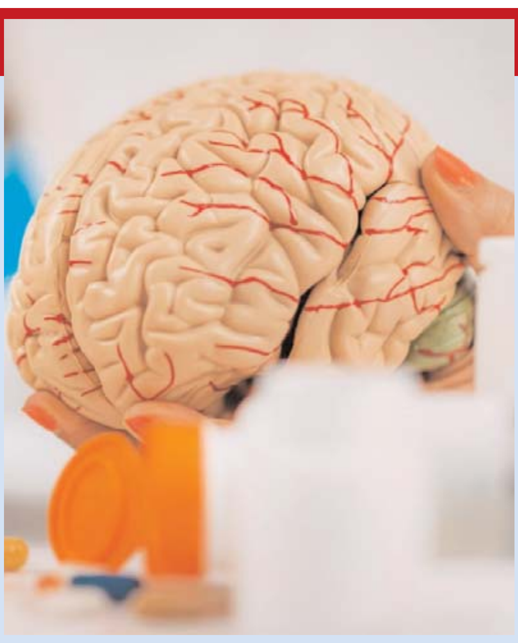

मशरूम सप्लीमेंट

ब्रेन फंक्शन और एनर्जी के लिए गेम-चेंजर

हेल्थ और फिटनेस की दुनिया में इन दिनों एक नया ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है- 'मशरूम सप्लीमेंट।' सोशल मीडिया से लेकर जिम तक, हर जगह इसके फायदों की चर्चा हो रही है। कोई इसे इम्यूनिटी बूस्टर बता रहा है तो कोई ब्रेन फंक्शन और एनर्जी के लिए गेम-चेंजर।

मशरूम सप्लीमेंट एक ऐसा न्यूट्रिशनल प्रोडक्ट है, जो मशरूम की मेडिसिनल प्रॉपर्टीज से बनाया जाता है। इसका उपयोग इम्यूनिटी बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए के लिए तो होता ही है, ब्रेन, याददाश्त, एनर्जी और स्टैमिना बढ़ाने के लिए भी उपयोगी है। इसकी एंटीऑक्सिडेंट्स प्रॉपर्टीस भी कमाल की हैं। हेल्थ इंडस्ट्री में इसे हार्ट हेल्थ और इम्यून सिस्टम के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मशरूम सप्लीमेंट और खाने वाले मशरूम (एडिबल मशरूम), दोनों एक ही सोर्स से आते हैं, लेकिन इनका उपयोग, प्रोसेसिंग और असर अलग होते हैं। खाने वाले बटन मशरूम की सब्जी बनती है जबकि सप्लीमेंट का उपयोग इम्यूनिटी, ब्रेन, एनर्जी जैसे हेल्थ बेनिफिट्स के लिए लिया जाता है। मशरूम सप्लीमेंट के लिए इसे सुखाकर, पीसकर या उसका एक्सट्रैक्ट निकालकर कैप्सूल/पाउडर में बदला जाता है। इसमें बीटा-ग्लूकन्स जैसे खास एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं। यह एक 'सुपरफूड' है। इसलिए इससे बने सप्लीमेंट्स लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इन सप्लीमेंट को कॉग्निटिव हेल्थ और स्ट्रेस कंट्रोल से जोड़ा जा रहा है। केमिकल सप्लीमेंट्स की जगह लोग नेचुरल और आयुर्वेदिक विकल्प अपना रहे हैं। मशरूम को 'एडाप्टोजेन' माना जाता है। यानी ये शरीर को परिस्थिति के मुताबिक ढलने के लिए तैयार करता है। कोविड के बाद इम्यूनिटी पर फोकस बढ़ा है, जिससे फिटनेस फीक लोगों के बीच ये सप्लीमेंट्स तेजी से पॉपुलर हुए हैं। मार्केट रिसर्च और कंसल्टिंग कंपनी 'ग्रांड व्यू रिसर्च' के मुताबिक, भारत में साल 2023 में मशरूम सप्लीमेंट्स का मार्केट लगभग 5,800 करोड़ रुपए था। इसके साल 2030 तक बढ़कर 11,800 करोड़ रुपए होने की संभावना है। यह लगभग हर साल 10-11 फ़ीसदी की ग्रोथ कर रहा है।

इम्युनिटी के लिए बढ़ा फोकस

मशरूम सप्लीमेंट्स कई फॉर्म में बाजार में उपलब्ध हैं जैसे कैप्सूल ,टैबलेट, पाउडर , लिक्विड एक्सट्रैक्ट/टिंचर, मशरूम कॉफी/टी, गमीज रेडी-टू-ड्रिंक/शॉट्स, प्रोटीन बार्स , चॉकलेट स्नैक्स। दावा किया जाता है कि ये इम्यूनिटी और ब्रेन के लिए अच्छे हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में साल 2024 में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कुछ मशरूम में बीटा-ग्लूकन नाम के कंपाउंड होते हैं। ये इम्यून सेल्स को एक्टिवेट कर सकते हैं। लैब और एनिमल स्टडीज में पॉजिटिव असर भी दिखा है। क्लिनिकल ट्रायल्स में पता चला है कि 'रीशी' मशरूम इम्यून रिस्पॉन्स को मॉड्यूलेट कर सकता है। 'शिटाके' मशरूम इंफ्लेमेशन कम करने में मदद कर सकता है। इंसानों पर हुई कुछ स्टडीज में हल्का इम्प्रूवमेंट देखा गया है। इसके रिजल्ट ब्रेन हेल्थ के लिए अच्छे हैं, लेकिन अभी क्लिनिकली सिद्ध नहीं हैं।

कीमोथेरेपी या कैंसर ड्रग के साथ

ये सप्लीमेंट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया दोनों के तहत कुछ हद तक रेगुलेटेड हैं। लेकिन ये फूड सप्लीमेंट्स हैं, इसलिए पूरी तरह टेस्टेड और अप्रूव्ड नहीं होते हैं। इसे खरीदते समय खुद स्मार्ट रहना जरूरी है। खाने वाले मशरूम ज्यादा बेहतर और सुरक्षित विकल्प हैं, लेकिन कुछ खास स्थितियों में सप्लीमेंट भी काम आ सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सप्लीमेंट्स में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स इम्यूनिटी और ब्रेन हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। लेकिन इनके फायदे अभी सीमित साइंटिफिक सबूतों पर आधारित हैं। इसलिए संतुलित डाइट को प्राथमिकता दें। सप्लीमेंट लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

साइड इफेक्ट भी संभावित

मशरूम सप्लीमेंट्स आमतौर पर नेचुरल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इनके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते। अब तक की स्टडीज में कुछ संभावित साइड इफेक्ट्स देखे गए हैं इसलिए एक्सपर्ट की सलाह लेना उचित माना जाता है। सप्लीमेंट्स कुछ दवाओं के साथ रिएक्ट कर सकते हैं। यह हर व्यक्ति में नहीं होता, लेकिन साइंस और क्लिनिकल रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ कॉम्बिनेशन में सावधानी जरूरी है। जैसे कि- ब्लड थिनर दवाओं के साथ, डायबिटीज की दवाओं के साथ, ब्लड प्रेशर की दवाओं के साथसेडेटिव और स्लीप मेडिसिन के साथ।

जीवन-ज्योति

समर्पण प्रेम की शर्त नहीं, प्रेम का स्वभाव है

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

जहां प्रेम है, वहां समर्पण का भाव अपने आप ही आ जाता है। समर्पण प्रेम की शर्त नहीं, प्रेम का स्वभाव है। प्रेम में त्याग करना पड़े या कुछ देना पड़े ऐसी कोई शर्त नहीं, पर जब प्रेम होता है तब आप दिए बिना रह नहीं सकते। भगवान को जो प्रेम करे वह साधु और भगवान जिसको प्रेम करें वह संत है। इसलिए साधु से संत को ऊंचा माना गया है। इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं कि हम भगवान के पीछे भागें तब तक तो ठीक है लेकिन ऐसी परिस्थितियां बनें कि भगवान को भी हमारे पीछे भागने का मन हो तब हम संत बन सकते हैं। गोपियां संत हैं, क्योंकि उनके अंदर गोपन का स्वभाव है। इस स्वभाव को बाहरी परिवेश से नहीं पहचान सकते। साधु को बाहर से जान सकते हैं कि वह किस संप्रदाय का है, पर संत को पहचानना बड़ा कठिन है। संत और भगवंत अपने आप को छुपाए रहते हैं।

गोपियां कोई बड़ा तिलक नहीं करतीं या भगवे वस्त्र धारण नहीं करतीं, गले में माला भी नहीं पहनतीं। सीधी-सादी गृहणी हैं। वह किसी की मां हैं, तो किसी की बहन, किसी की पुत्रवधू तो किसी की पत्नी हैं। फिर भी वे संत जैसी हैं। कृष्ण प्रेम उनका आदर्श है। परमात्मा जिनसे प्रेम करे ऐसी संत गोपियां हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम को जो अपने हृदय में छिपाकर रखे वही तो गोपी बन सकती है। अपनी इंद्रियों द्वारा जो भक्ति रसामृत का पान करे, वह गोपी है। गोपियों को समझने के लिए ही उनके पीछे-पीछे कन्हैया दौड़ते हैं। यह बहुत बड़ी संपदा है। इसी से संत तत्व का निर्माण होता है। गोपियां प्रेम की परिभाषा हैं। गीता संपूर्ण विश्व की मानवता के लिए है क्योंकि गीता के गायक केवल हिंदुओं के गुरु नहीं हैं- कृष्ण वंदे जगद?गुरुम कहा गया है इसलिए उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह संपूर्ण के लिए है। इसलिए गीता में कहीं पर कृष्ण उवाच नहीं है। श्री भगवान उवाच, यहां कोई वासुदेव-देवकी का बेटा नहीं बोल रहा है। यह उसके भीतर का भगवत प्रकट होकर बोल रहा है और जब भगवत प्रकट होता तब वह किसी संप्रदाय विशेष के कल्याण की बात नहीं करता, वह संपूर्ण वसुधा के कल्याण की बात करता है। चाहे वह भारतीय हो, चाहे विश्व के अन्य देशों में रहनेवाला हो, चाहे जिस किसी जाति, संप्रदाय और धर्म का हो। जगदगुरु वह नहीं है जिससे समग्र जगत ने दीक्षा ली हो, जगद?गुरु वह है जिसकी बातें समग्र जगत के कल्याण के लिए हों। इस अर्थ में श्रीकृष्ण जगदगुरु हैं। गीता इंसान को हर प्रकार की संकीर्णता से ऊपर उठाकर विश्व मानव से महामानव बनने की ओर ले जाती है।

एक चीज और है, वह यह कि संसार के सुख-दुख अंतवंत हैं। अंतवंत मतलब अंतवाले, समाप्त होने वाले हैं। यहां सुख भी एक दिन समाप्त होगा, इसलिए बहको मत। यहां का दुख भी एक दिन समाप्त होने वाला है, इसलिए धैर्य रखो। संसार परिवर्तनशील है, यहां हर परिस्थिति बदलती ही है। आज सुख है तो सुख का भी अंत निश्चित है। संसार को अनित्य कहा गया है। इसलिए संसार के सुख-दुख अनित्य हैं। लेकिन हमारी कामना है अनंत सुख की। हमारी इच्छा है अनंत आनंद की। हम ऐसी शांति चाहते हैं जो चिरंतर, निरंतर बनी रहे। उस अनंत आनंद, उस नित्य सुख और निरंतर शांति का ही दूसरा नाम परमात्मा है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 26 अप्रैल से 02 मई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष : आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं। कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा। प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं। युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है। विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा। आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं। आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो कि सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं। आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

महानता-गली अति सांकरी

सुधीर नायक
व्यंग्यकार एवं ट्रेड यूनियन लीडर

अब जाकर मुझे समझ में आया कि भगवान ने मुझे महान क्यों नहीं बनाया।भगवान ने मुझे बचा लिया।मेरे दोस्त कहते हैं गुरु अच्छा रहा जो कट ऑफ थोड़ा सा ऊपर चला गया। तुम महानता में फेल हो गये।बाल बाल बच गये।देख रहे हो महानों की हालत। अब ईश्वरीय कृपा का अहसास हो रहा है।भगवान तो भगवान हैं।वे जानते थे कि अब महान होना कोई गौरव की बात नहीं रही।आज के जमाने में महान होना बड़ी ओछी टाइप की बात हो गयी है।महानता की शर्तें इतनी अपमानजनक हैं कि कोई भी इज्जतदार आदमी महान नहीं होना चाहेगा।महान बनना बड़ा मंहगा सौदा है। मुझे बहुत सारे महान देखने का मौका मिलता है।महान बेचारा एक डरा सहमा सा बड़ा दयनीय जीव होता है।जो उसे महान मानते हैं वे उस पर फुल कंट्रोल रखते हैं,वे उसे अपनी मुट्ठी में बांधकर रखते हैं। महान टस से मस नहीं हो सकता।महान व्यक्ति को अपने अनुयायियों के इशारे पर नाचना होता है।उसे छोटे से छोटा काम भी अनुयायियों से पूछकर करना होता है।ज़रा सा कुछ अपने मन का किया और महानता गयी।अनुयायी धमकाकर रखते हैं-हम जितना कह रहे हैं उतना सुनो ज्यादा चूंचपड़ की तो अभी हम महान मानना बंद कर देंगे।फिर बैठे रहना।मक्खियां भिनकेंगी।ये जो सारी रौनक है।हमारी वजह से ही है।महान व्यक्ति तुरंत लाइन पर आ जाता है।महान होने के लिए कठपुतली होना जरूरी है।आजकल बड़ी सख्ती है आपको तभी महान माना जाता है जब आप मानने वालों के हाथ की कठपुतली बनना स्वीकार करें।यह महान माने जाने की कंपलसरी शर्त है।यदि जीवित भगवान सामने आ जायें तो लोग उन्हें पूजने से इंकार कर देंगे।भगवान होने के लिए पत्थर का होना जरूरी है।

भगवान की बड़ी कृपा थी मेरे ऊपर।उस समय अज्ञानी था मैं समझ में नहीं पाया।अब जब मैंने एक महान साहब की हालत देखी तब ज्ञान चक्षु खुल रहे हैं।भगवान ने मुझे मुक्त रखा।भगवान मुझे कठपुतली नहीं बनाना चाहते थे।वे चाहते थे कि मैं जंगल में उछलते कूदते बंदर की तरह जिऊं न कि मदारी के बंदर की तरह।हां,तो मैं एक साहब की बात सुना रहा था।वे बेचारे खूब बड़े पद पर पहुंच गये।उनके वर्ग के लोगों ने उन्हें हाथों-हाथ लिया।धूमधाम से महानता का जश्न मनाया।अब चक्कर यह हुआ कि वे सच्ची के महान निकल भगे। उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया जो बिल्कुल सही था पर उनके लोगों को नागवार था।वे तत्काल पक्षद्रोही घोषित कर दिए गए।उसके बाद भी वे नहीं माने और अपने उस फैसले को अपने जीवन का सबसे बड़ा फैसला बता दिया।ताजा ताजा जला था और उन्होंने उसपर नमक और छिड़क दिया।तुरंत मान लिया गया कि वे अपोजिट वालों से सेट हैं।अब ये सब तो गलत है ना।ऐसी मनमर्जी करोगे तो महानता की गाड़ी कैसे चलेगी? अरे भाई मुझे तो बड़ा अचरज होता है।इतने बड़े ओहदे पर रहा इंसान इतनी-सी बात नहीं जानता कि महानता की प्रोसीजर क्या है?हर चीज़ में अनुयायियों का,समर्थकों का एप्रूवल लगता है।उन्हें तुम बेवकूफ समझते हो।वे फोकट में समर्थक नहीं बने हैं।कहां जाना है किससे मिलना है क्या खाना पीना है क्या पहनना ओढ़ना है हर चीज़ पर पहले अनुयायियों की चिड़िया बैठती है तब तुम कुछ कर सकते हो।तुमने अनुयायियों से प्रिएप्रूवल लिया नहीं और आप किसी से भी मिलने चल दिए।अब भुगतो।एक झटके में महानता खारिज।

अब उन्हें गालियां पड़ रही हैं।चारों तरफ से आलोचना की बौछारें पड़ रही हैं।भाई हम लोग तो आपको महान बनाने की फुल तैयारी में थे लेकिन तुमने सत्यानाश कर लिया।तुम ये गैर महानता वाले काम करने पर उतारू हो।महान बनना कठिन है और महानता को मेंटेन करना और भी ज्यादा कठिन है।खुद को मिटाना होगा। केवल समर्थक ही रहेंगे।

जब मैं था तब समर्थक नहीं अब समर्थक हैं मैं नाय।
महानता-गली अति सांकरी यामें दो न समाय

वायरल कंटेंट

लद्दाख की वह सड़क, जहां चुम्बकीय शक्ति से अपने आप चलने लगती है गाड़ी

लद्दाख में ऊंचे पहाड़ों और शांत वादियों के बीच एक ऐसी जगह मौजूद है, जो पहली नजर में ही लोगों को चौंका देती है। मेग्नेटिक हिल नाम की यह सड़क देखने में साधारण लगती है, लेकिन यहां होने वाला अनुभव किसी रहस्य से कम नहीं है। लेह के पास स्थित इस जगह पर एक खास पॉइंट चिन्हित किया गया है। जैसे ही कोई वाहन वहां खड़ा करके इंजन बंद कर दिया जाता है और उसे न्यूट्रल में छोड़ दिया जाता है, कार खुद-ब-खुद चलने लगती है। हैरानी की बात यह है कि गाड़ी नीचे की ओर जाने के बजाय ऊपर की तरफ बढ़ती हुई दिखाई देती है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो कोई अदृश्य ताकत उसे खींच रही हो।

स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर कई तरह की कहानियां प्रचलित हैं. कुछ इसे शक्तिशाली चुंबकीय बल मानते हैं,

तो कुछ इसे अलौकिक घटना से जोड़ते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, इसके पीछे कोई जादू नहीं बल्कि एक साधारण कारण छिपा है, इसे Optical Illusion कहा जाता है।

भले ही इसका वैज्ञानिक कारण साफ हो चुका है, लेकिन यहां का अनुभव आज भी लोगों के लिए बेहद रोमांचक है। लेह-कारगिल हाईवे से गुजरने वाले ज्यादातर पर्यटक इस जगह पर रुककर इस अनोखे अनुभव को जरूर आजमाते हैं। लद्दाख की यात्रा में Magnetic Hill एक ऐसा पड़ाव बन चुका है, जहां हकीकत और भ्रम के बीच का फर्क समझना मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इस मैजिक सड़क पर अपनी गाड़ी न्यूट्रल में छोड़कर इस अनोखे अनुभव को जरूर महसूस करें। यह पल आपको लंबे समय तक याद रहेगा।

रात्रि चौपाल में विधायक उमाकांत शर्मा ने सुनी लोगों की समस्याएं, अफसरों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई

24 बीघा में बनेगा सांदीपनि स्कूल का भवन, नई मंडी के लिए जमीन हुई चिह्नित

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के सांदीपनि स्कूल के लिए जमीन प्रशासन को मिल गई है। 36 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाला यह स्कूल अब उत्कृष्ट सड़क पर भैरों बाबा फीडर के सामने बनाया जाएगा। यह स्कूल 24 बीघा जमीन पर बनाया जाएगा। जो चिह्नित हो चुकी है। जल्द ही यहां पर भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी। यह जानकारी विधायक उमाकांत शर्मा ने शहर के दशहरा मैदान पर आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान आम जनता से साझा की।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सांदीपनि स्कूल का संचालन हाईस्कूल परिसर में चल रहा है। कुछ लोगों का विचार था कि यहीं पर नया भवन बनाया जाए। अगर ऐसा होता तो शहर के बीच में स्थित जिले का सबसे अच्छा मैदान खत्म हो जाता। हम दो साल से नए भवन के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश कर रहे थे। जो अब पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए हमने नई अनाज मंडी की जगह भी तलाश ली है। नई मंडी भोपाल रोड पर बनाई जाएगी। इसकी प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। जल्द ही नई कृषि मंडी की जगह भी स्वीकृत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हैं कि जगह स्वीकृत होते ही नई मंडी वहां पर पहुंच जाएगी। इसके आगे भी बहुत काम होते है और हमें धैर्य के साथ इन कामों को पूरा करवाना है। विधायक ने चौपाल में मौजूद एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा को भूमिहीन गरीबों के लिए कॉलोनी निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करवाने की मांग भी की। उनका कहना था कि भूमिहीन लोगों को इस कॉलोनी में जमीन प्रदान कर पीएम आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण करवाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर बनने वाली इस कॉलोनी में नपा द्वारा सभी आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने मौजूद अफसरों को इस योजना पर काम करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों की समस्याओं के निदान के लिए विशेष शिविर लगाने की सलाह भी नपा को दी।

सबसे ज्यादा शिकायतें बिजली कंपनी की

शहर चौपाल में सबसे ज्यादा शिकायतें बिजली कंपनी की आई। वार्ड 12 के पार्षद प्रतिनिधि रूपेश यादव ने खुद खडे होकर बताया कि बिजली कंपनी के आफिस का नंबर लगना ही बंद हो गया है। शिविर में मौजूद बिजली कंपनी के एई शराफत खान और जेई अमानसिंह कुशवाह मामले को टालते दिखाई दिए तो विधायक ने खुद ही कंपनी कार्यालय का नंबर डायल करवा दिया। जब वह नहीं लगा तो विधायक ने अफसरों से सवाल किया। इस पर जेई का जवाब था सर, नंबर बीएसएनएल का है। इस कारण दिक्कत आती है। विधायक ने कहा कि थाने और नगर पालिका में भी बीएसएनएल ही है। इसके बाद जेई उत्तर नहीं दे सके। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, भाजपा मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल ने भी बिजली कंपनी से जुड़ी लोगों की समस्याओं की जानकारी दी। विधायक कंपनी के अफसरों के जवाब से असंतुष्ट दिखाई दिए।

नपा स्वच्छता सर्वे में सहयोग का आह्वान

शिविर में सभी विभागों के जिम्मेदार मौजूद थे लेकिन पीडब्लूडी के एसडीओ और इंजीनियर दोनों ही गायब दिखाई दिए। इस पर विधायक ने इन पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश एसडीएम को दिए। इस दौरान नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने स्वच्छता सर्वेक्षण से जुड़ी जानकारी देकर इसके सहयोग का आव्हान भी मौजूद नागरिकों से किया।

मोबाइल से सुनवाया सीएम का संदेश

चौपाल के दौरान ही रात 9 बजे सीएम डॉक्टर मोहन यादव के संदेश का प्रसारण शुरू हो गया। विधायक ने मोबाइल पर माइक सेट लगाकर मौजूद लोगों को सीएम का संदेश भी सुनाया। इसके बाद उन्होंने भी सीएम द्वारा किसानों के हित में की गई योजनाओं की जानकारी दी।

दोहरी हत्या के फरार आरोपी को जंगल से दबोचा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के नाहरकोला में 19 अप्रैल को शादी समारोह में हुए खूनी झगड़े और दोहरे हत्या कांड के मुख्य आरोपी को पुलिस टीम ने ढूंढ निकाला। घटना के बाद फरार चल रहे लोकेश कीर (पिता-अमर सिंह) को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी साईं कृष्णा एस थोटा ने आज रविवार को प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि आरोपी की तलाश में विशेष टीमें गठित की गई थीं। साथ ही, सूचना देने वालों के लिए 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई। पुलिस की दिन-रात की मेहनत रंग लाई और आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। घटना को अंजाम देकर भागा आरोपी नाहरकेला के जंगल में छिपा हुआ था। मुखबिरों से सूचना मिली कि वह जंगल की ओर दिखा।पुलिस टीम मे शामिल उपनिरीक्षक संजीव पवार, विवेक यादव, सहायक उपनिरीक्षक अनिल ठाकुर व आरक्षक पवन व अशोक जंगल में पहुंचे। पुलिस की आहट सुनकर एक पेड़ के नीचे आराम कर रहे आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस नें घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। शिवपुर थाना क्षेत्र के नाहरकोला में शादी समारोह के दौरान पुरानी रंजिश पर खूनखराबा हो गया। झगड़े में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार के छह लोग घायल हुए। हमलावरों ने मौके पर पहुंची पुलिस पर भी चाकू से हमला किया, जिसमें एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सभी घायलों को नर्मदापुरम के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान चाकूबाजी में घायल दूसरे व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

नर्मदा लोक कॉरिडोर की समीक्षा बैठक, कलेक्टर ने दिए दिशा-निर्देश

शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना में किसी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा प्रशासन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में रेवा सभा कक्ष में आयोजित नर्मदा लोक कॉरिडोर की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्यों में उच्च तकनीकी मानकों और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, न ही श्रमिक सुरक्षा और निर्माण स्थल पर स्वच्छता के मामले में ढील बरती जाएगी।

कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को यथाशीघ्र पूरी तकनीकी टीम को मोबिलाइज कर कार्य में गति लाने का निर्देश दिया। सीएमओ नगर पालिका नर्मदापुरम को आदेश दिया गया कि निर्माण कार्यों के लिए विस्तृत वर्क शेड्यूल तैयार किया जाए, जिसे साप्ताहिक लक्ष्यों में विभाजित कर हर सप्ताह कार्य प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। समीक्षा में यह भी निर्णय हुआ कि स्थानीय स्तर पर एक समर्पित प्रोजेक्ट मैनेजर नियुक्त किया जाए ताकि निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, संयुक्त कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण नर्मदापुरम देवेंद्र प्रताप सिंह तथा सीएमओ नगर पालिका हेमेश्वरी पटले ने भाग लिया। नर्मदालोक कॉरिडोर खर्राघाट से गोदरी घाट तक लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में बनना है, जिसके लिए लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत हो चुकी है और इसे नर्मदापुरम का धार्मिक-आध्यात्मिक आकर्षण केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

गुणवत्ता और सुरक्षा की प्राथमिकता

कलेक्टर ने गुणवत्ता को प्रमुखता देते हुए सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जा सकती है, लेकिन इसके साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराकर श्रमिकों से उनका उपयोग अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए। पानी, दवाइयां और स्वच्छता की व्यवस्था भी सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया गया।कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट संकेत दिया कि नर्मदा लोक कॉरिडोर जैसी महत्वपूर्ण परियोजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यों में गुणवत्ता, समय-बद्ध प्रगति या सुरक्षा मानदंडों में कमी पाई गई तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ उन्होंने सभी अधिकारियों से समन्वय बनाकर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने को कहा।

कटनी में मगरमच्छ से ग्रामीणों में दहशत, जलाशय में छोड़ा गया

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के ढीमरखेड़ा तहसील के अंतवेद गांव में पिछले पांच दिनों से तालाब में मौजूद मगरमच्छ को वन विभाग और वन विकास निगम कुंडम परियोजना की संयुक्त टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। पकड़े गए मगरमच्छ को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जबलपुर के खंदारी जलाशय में छोड़ा जाएगा। अंतवेद गांव के तालाब में पांच दिनों से मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत थी। ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग और वन विकास निगम कुंडम परियोजना की टीम लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही थी। मगरमच्छ को पकड़ने के लिए तालाब में जाल बिछाया गया था।

गलियों में गंदगी फैलाने वालों पर होगी चालानी कार्रवाई

सागर। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत शहर में स्वच्छता को लेकर नगर निगम द्वारा तैयारियां की जा रही हैं. इसी तारतम्य में नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने सभी वार्डों के सफाई दरोगाओं को निर्देश दिए हैं कि घरों के पीछे स्थित बेक लाइन या संकीर्ण गलियो में गंदगी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और यदि कोई नागरिक इन स्थानों पर कचरा फेंकते या गंदगी करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाए. निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि बेक लाइन या संकीर्ण गलियों की नियमित सफाई प्राथमिकता के आधार पर हो , इसके लिए सफाई मित्रों को विशेष रूप से सक्रिय किया गया है ताकि किसी भी क्षेत्र में गंदगी जमा न हो और स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों का पालन किया जा सके।

प्रतिबंध के बाद भी किसान जला रहे खेत

आखिर ये आग कब बुझेगी... सिरोंज रोड पर कई खेतों में धड़कती रही नरवाई की आग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गेहूं कटाई के बाद खेतों में बची नरवाई जलाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार रात सिरोंज रोड स्थित बासौदा-अंबानगर मार्ग के बीच कई खेतों में नरवाई धधकती नजर आई। अंधेरे में उठती आग की ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देती रहीं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

सबसे गंभीर बात यह रही कि जहां खेतों में आग लगाई गई, उसके पास ही पेट्रोल पंप मौजूद था, जबकि दूसरी ओर खेतों के बीच कुछ मकान बने हुए थे। ऐसे हालात में जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। आग फैलती तो जान-माल का भारी नुकसान होना तय था। इसके बावजूद नरवाई जलाने वालों पर नियम-कायदों का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा। प्रशासन द्वारा पहले भी कई मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन इसके बाद भी किसान खुलेआम खेतों में आग लगा रहे हैं। नरवाई जलाने से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, वहीं जमीन की उर्वरक क्षमता भी घटती है। धुएं से आमजन को परेशानी होती है और सड़क किनारे आग लगने से हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अब सवाल यही उठ रहा है कि आखिर यह आग कब बुझेगी।

जबलपुर के बरगी डैम क्षेत्र में साधु का मिला शव

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर से करीब 40 किमी दूर बरगी डैम इलाके में एक साधु की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। 65 वर्षीय साधु का शव बाइक के नीचे दबा मिला था। उनके हाथ सहित शरीर पर पांच-छह चोट के निशान मिले हैं।सूचना मिलते ही बरगी थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच, एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि साधु का शव उनकी कुटिया में मिला है और शरीर पर 5 से 6 गहरी चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की पुष्टि होती है।

मेट्रो एंकर

वसुधा मंदिर के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टला

रील के चक्कर में हवा में लटके चार दोस्त, ब्रिज पर सफारी से कर रहे थे स्टंट

सतना। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर रील बनाने का जुनून एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया। मध्य प्रदेश के सतना जिले में 4 युवक लाइक्स और व्यूज के चक्कर में बाल-बाल बचे। दरअसल, शनिवार को वसुधा मंदिर के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां , स्टंट कर रही एक सफारी कार अचानक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए आधी हवा में लटक गई। बता दे कि, सोशल मीडिया पर ये मामला खूब वायरल हो रहा है। मामला का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, इस घटना ने फिर साबित किया कि कुछ लाइक्स के लिए जान जोखिम में डालना भारी पड़ सकता है। नागौद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला शनिवार दोपहर का है। मिली जानकारी के अनुसार, नागौद क्षेत्र के वसुधा गांव में स्थित वसुधा मंदिर के पास एक ब्रिज पर बिना नंबर की सफारी कार में सवार चार नाबालिग लड़के रील बनाने के लिए स्टंट कर रहे थे। इसी दौरान नाबालिग ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया और कार तेज रफ्तार में सीधे ब्रिज की रेलिंग से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रेलिंग टूट गई और वाहन का अगला हिस्सा पुल से बाहर हवा में झूलने लगा। घटना वक्त मौजूद लोग इस घटना को देख दंग रह गए।

कार जिस स्थिति में लटकी थी, उसे देख मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। नीचे नदी होने के कारण जरा सी चूक जानलेवा साबित हो सकती थी। हालांकि, किस्मत ने साथ दिया और वाहन नीचे नहीं गिरा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए जोखिम उठाकर कार में फंसे चारों नाबालिगों को सुरक्षित बाहर निकाला। लोगों की सूझबूझ और साहस के चलते एक बड़ी अनहोनी टल गई।

बिना अनुमति के गाड़ी चला रहे थे नाबालिग

बताया जा रहा है कि सभी लड़के नाबालिग हैं और बिना अनुमति वाहन चला रहे थे। यह लापरवाही सीधे तौर पर हादसे की वजह बनी।सूचना मिलते ही नागौद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही क्षतिग्रस्त वाहन को हटाने की कार्रवाई भी की गई।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही नागौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले वाहन को हटवाकर सुरक्षित स्थान पर करवाया फिर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी नाबालिग बिना अनुमति वाहन चला रहे थे।

नेशनल हाईवे-752बी पर सल्फर लिक्विड से भरा हुआ था टैंकर, चालक की मौत

तेज रफ्तार टैंकर अनियंत्रित होकर मंदिर में घुसा, ढह गया मंदिर, प्रतिमा सुरक्षित

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

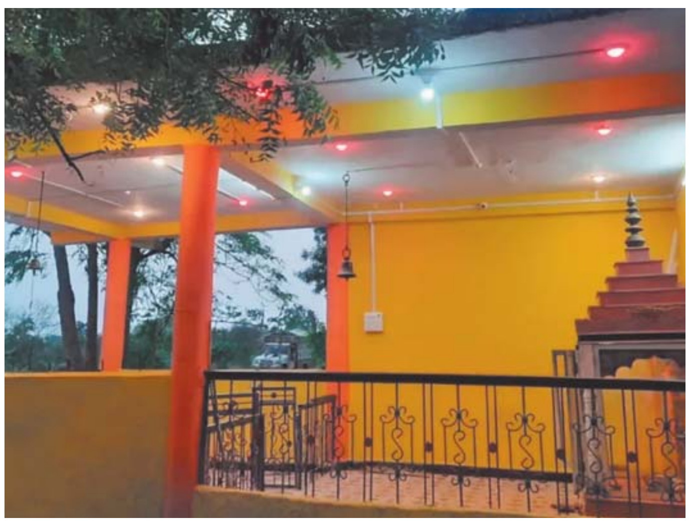

जिले में बड़ा सड़क हादसा देखने को मिला। ब्यावरा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-752 बी सुठालिया रोड पर बरखेड़ा में शुक्रवार की रात करीब 11.30 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मंदिर में जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि पूरा मंदिर जमीदोंज हो गया। वहीं टैंकर बगल नाले में जा गिरा। कैबिन के मलबे में चालक फस गया और बुरी तरह कुचला गया।

घटना के बाद आसपास का पूरा इलाका दहल गया। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। लेकिन वाहन के मलबे में चालक इस कदर कुचला गया कि रात में नजर ही नहीं आया। दूसरे दिन शनिवार को टैंकर को सीधा किया गया और शव बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि हादसा वाहन के टायर फटने से हुआ है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। घटना में चालक सूर्यपाल पासी, निवासी यूपी की मौत हुई है। हादसा इतना भीषण था कि रात में तो मलबे में चालक नजर ही नहीं आया। लेकिन दूसरे दिन शनिवार को कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन से वाहन को सीधा कर मलबा हटाया तो चालक का शव नजर आया। जिसे बाहर निकाला पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। मामले में सिटी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। शनिवार दोपहर में मलबा हटाने के दौरान और मंदिर टूटा देख भीड़ जमा हो गई। जिसके कारण हाईवे पर काफी समय तक जाम की स्थिति बनी।

सल्फर लिक्विड से भरा था, टैंकर, सहमे रहवासी

बताया जा रहा कि टैंकर में सल्फर लिक्विड भरा हुआ था। जो सुठालिया तरफ से ब्यावरा तरफ जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ टैंकर से लिक्विड रिसने लगा। जिससे आसपास की जमीन जलने लगी और धुआं उठने लगा। जिसे आसपास रहवासी सहम गए। टैंकर का आधा लिक्विड पास में ही एक पेयजल के कुएं में गिर गया।

मंदिर धराशायी, प्रतिमा को खरोंच तक नहीं

हादसे में सबसे रोचक बात ये रही कि मंदिर का पूरा स्ट्रक्चर, दीवारें, छत सभी पूरी तरह धाराशायी हो गए। लेकिन मंदिर के अंदर बना कांच का छोटा मंदिर जिसमें विराजे बालाजी की प्रतिमा को खरोंच तक नहीं आई। साथ ही गनीमत की बात ये भी रही कि हादसे के चंद मिनटों पहले मंदिर में करीब चार-पांच रहवासी बैठे हुए थे। ऐसे में यदि कुछ समय और वे वहीं रुकते तो स्थिति भयावह हो सकती थी।

न्यूज विंडो

बम्होरी माल में नव दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ की शुरुआत हुई

तारादेही। ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्होरी माल में समस्त ग्रामवासियों की ओर से आयोजित होने जा रही धार्मिक माहौल के बीच नव दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ की कलश यात्रा खेर माता मंदिर से गुरुवार को बैड- बाजो के साथ बड़ी धूमधाम से निकाली गई जहां ग्राम के मुख्य मार्गो से होकर जगह-जगह ग्रामवासियों ने कलश यात्रा का स्वागत किया साथ ही यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा और रात्रि में कनकतला से आए कलाकारों द्वारा रामलीला का आयोजन भी होगा शोभा यात्रा में महिलाओं ने कलश यात्रा में शामिल होकर भक्ति का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया है ग्राम के सरपंच दिलीप मिश्रा ने बताया यह शुभ कार्य सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के साथ 1मई तक चलेगा जिसमें प्रतिदिन पूजा-पाठ ,हवन एवं विभिन्न धार्मिक कार्य किए जाएंगे साथ ही सभी पुरूषों ने पीले वस्त्र धारण किए इसके अलावा बग्गी में राधे कृष्ण की मनमोहक झांकी के साथ यज्ञआचार्य पंडित डॉ धीरेंद्र मनीषी,कथा व्यास पंडित आशीष कृष्ण शास्त्री, यज्ञआचार्य पंडित मोहन कुमार दुबे, ग्रामचार्य पंडित सुरेन्द्र मिश्रा विराजमान थे।

कोल डस्ट से बढ़ रहा बीमारियों का खतरा, लोगों का जीना मुश्किल

धनपुरी शहडोल। जिले के धनपुरी क्षेत्र में कोयले की धूल (कोल डस्ट) लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनती जा रही है। विशेष रूप से बुढार साइडिंग, जो धनपुरी तीन नंबर इलाके में स्थित है, वहां से सुभाष चौक से लेकर रेलवे कॉलोनी तक पूरे दिन भारी वाहनों की आवाजाही के चलते सड़कों पर धूल का गुबार बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से लेकर देर शाम तक सड़क पर उड़ती कोयले की धूल के कारण सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और दमा, एलर्जी जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों की स्थिति और भी खराब हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार, लगातार कोल डस्ट के संपर्क में रहने से श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियां, त्वचा रोग और आंखों में जलन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि संबंधित विभाग द्वारा सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है, जिससे धूल नियंत्रण पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने कई बार प्रशासन से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का आरोप है कि कोयला परिवहन करने वाले वाहनों में भी पर्याप्त ढकाव (कवरिंग) नहीं होता, जिससे रास्ते भर कोयले की धूल उड़ती रहती है और पूरे इलाके को प्रदूषित करती है।

आंख स्कैन करने के बाद ही दिया प्रवेश, राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सख्ती

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 रविवार को आयोजित की जा रही है। प्रदेशभर में यह परीक्षा भोपाल सहित प्रदेश के 54 जिलों में आयोजित हो रही है। एमपीपीएससी की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए कुल 365 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बुरहानपुर में परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने के ?पहले परीक्षार्थियों की गहन जांच की गई। यहां तक कि आंख स्कैन करने के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने दिया। एमपीपीएससी की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में राज्यभर में लगभग 1 लाख 35 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। राजधानी भोपाल में यह परीक्षा 21 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है जहां 7 हजार 500 अभ्यर्थी शामिल हुए। एमपीपीएससी के ओएसडी डॉ. रविन्द्र पंचभाई ने बताया, राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में प्रदेश में पहली बार त्रिस्तरीय जांच प्रणाली लागू की गई। एमपीपीएससी की ये दोनों परीक्षाएं सबसे अहम मानी जाती हैं। यही कारण है कि परीक्षाओं में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारी अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं। एमपीपीएससी के ओएसडी डॉ. रविन्द्र पंचभाई ने बताया, राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में प्रदेश में पहली बार त्रिस्तरीय जांच प्रणाली लागू की गई है। इसमें तीन स्तरों पर परीक्षार्थियों की गहन जांच की जाएगी।

नौरादेही अभयारण्य में टाइगर रिजर्व प्रोजेक्ट का तमगा दिलाने वाली बाघिन राधा की रोचक कहानी

ओडिशा ने जिस बाघिन को लेने से मना किया उसने ही आबाद किया अभयारण्य

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मप्र के पेंच टाइगर रिजर्व में जहर की शिकार जिस बाघिन को ओडिशा वाइल्ड लाइफ के अधिकारियों ने लेने से मना किया उसने ही वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को बाघों से आबाद किया। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में टाइगर प्रोजेक्ट को 8 साल पूरे हो गए 18 अप्रैल 2018 को ही कान्हा टाइगर रिजर्व में पली-बढ़ी पेंच की बाघिन राधा एन-1 को पहली बार नौरादेही में शिफ्ट किया गया था। वर्तमान में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वयस्क बाघों की संख्या 24 से 30 के बीच है। बाघों के आने के बाद अब वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों को लाने की भी तैयारी चल रही है। इसके लिए मुहली रेंज में 600 हेक्टेयर में आठ बाड़े बनाए जा रहे हैं। पहली खेप में चार चीते नौरादेही आ सकते हैं। बाघों की शिफ्टिंग के आठ साल पूरे होने पर हमारे संवाददाता विशाल रजक ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह से नौरादेही में टाइगर शिफ्टिंग की पूरी कहानी जानी।

ओडिशा में दो टाइगर शिफ्ट करने के लिए जनवरी 2018 में भोपाल में जो मीटिंग हो रही थी उसमें नौरादेही के एसडीओ प्रदीप त्रिपाठी भी थे। उन्होंने घुरेला एनक्लोजर में पल रही वयस्क बाघिन को नौरादेही में शिफ्ट करने की बात कही। उन्होंने कहा कि नौरादेही से गांव की

शिफ्टिंग 2013-14 में शुरू हो गई है। ओडिशा के फॉरेस्ट अधिकारी संदीप त्रिपाठी ने जिस कान्हा में पल रही जिस बाघिन को लेने से इंकार कर दिया है वह नौरादेही में शिफ्ट कर दीजिए और उसी जनवरी-2018 में उसी मीटिंग में निर्णय हुआ कि कान्हा से बाधिन को नौरादेही शिफ्ट किया जाएगा 18 अप्रैल 2018 को पेंच की पॉइजन की शिकार फीमेल टाइगर वाया कान्हा के एनक्लोजर से होते हुए नौरादेही आई और इसे यहां नाम मिला एन-1 राधा। एक मेल टाइगर 30 अप्रैल 2018 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से नौरादेही शिफ्ट किया गया। इसे नाम मिला एन-2 किशन। रोचक बात ये ही कि उड़ीसा के फॉरेस्ट ऑफिसर संदीप त्रिपाठी और नौरादेही के तत्कालीन एसडीओ प्रदीप त्रिपाठी मौसेरे भाई है नौरादेही में अब तक 7 टाइगर शिफ्ट किए जा चुके हैं। इनमें से एक की मौत हुई है

डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि ओडिशा में महानदी के किनारे स्थित सतकोसिया टाइगर रिजर्व में टाइगर शिफ्ट किए जाने थे। तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मप्र से एक जोड़ी टाइगर ओडिशा भेजने की अनुमति दे दी ओडिशा के फॉरेस्ट ऑफिसर आए और भोपाल में मीटिंग में हुई। मप्र के फॉरेस्ट अधिकारियों ने कहा कि घुरेला एनक्लोजर में पल रही बाधिन नाला टाइगर की शावक जो अब दो साल की हो गई है इसे ओडिशा को दे देंगे लेकिन ये पहले पेंच में पॉइजन की शिकार हो चुकी थी इसलिए ओडिशा के संदीप त्रिपाठी ने लेने से इंकार कर दिया। उनका कहना था कि हमें दो स्वस्थ्य टाइगर दो मीटिंग में निर्णय हुआ कि सतकोसिया के लिए बांधवगढ़ से एक फीमेल और कान्हा से एक मेल टाइगर जाएगा जो जून 2018 में मप्र से ओडिशा शिफ्ट हुए।

बाघिन राधा ने दिलाई टाइगर रिजर्व की पहचान

बाघिन राधा ने पहली बार मई 2019 में तीन शावकों को जन्म दिया इनमें दो बाघिन व एक बाघ है राधा से पहली बार में जन्मी उसकी दो बेटी एन -111 और एन-112 मां बनीं तो राधा ने तीसरी पीढ़ी देख ली जून 2023 ये बाघ किशन की ओर बाहर से आए बाघ एन-3 के बीच टेरिटरी को लेकर हुए संघर्ष में मौत हो गई किशन और राधा की बेटियां टाइगर रिजर्व को बाघों से आबाद कर रही है जब नौरादेही अभयारण्य हुआ करता था उस समय यहां पर गिने चुने ही पर्यटक आते थे लेकिन जब 2023 में नौरादेही से टाइगर रिजर्व में तब्दील किया गया तब से यहां पर पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा देखा जा रहा है यानी नौरादेही अभयारण्य को टाइगर रिजर्व का तमगा दिलाने में बाघिन राधा की अहम भूमिका है साथ ही बाघिन राधा से भी टाइगर रिजर्व में लगातार कुनबा बढ़ रहा है वर्तमान में टाइगर रिजर्व में 26-30 बाघ होने का दावा किया जा रहा है इसमें 22 बाघ बाघिन राधा और उसकी दो बेटियों से जन्में है

जहरीली पानी पीने से हुई थी मौत केवल राधा जिंदा बच पाई थी

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि अप्रैल 2016 तब में पेंच टाइगर रिजर्व में पदस्थ था। वहां की मशहूर फीमेल टाइगर थी जिसका नाम था बाधिन नाला। एक जलस्रोत से बाधिन और उसके शावकों ने पानी पिया। जहरीले पदार्थ होने से टाइगर बाघिन नाला की मौत हो गई। तीन शावकों में से एक की मौत हो गई। दो का रेस्क्यू किया गया। इनमें से भी एक की एक-दो दिन बाद मौत हो गई सिर्फ एक फीमेल शावक बची। इसे कान्हा में बने घुरेला एनक्लोजर में छोड़ा। वहीं पाला गया। घुरेला में 35 हेक्टेयर का एनक्लोजर है। 7 हेक्टेयर का छोटा एनक्लोजर है जिसमें टाइगर के शावक रहते हैं और 35 हेक्टेयर के अन्य हिस्से में चीतल व अन्य वन्य जीव रख जाते हैं।

गांव मनका लौटते समय अंधे मोड़ पर हुआ हादसा, पुलिस कर रही जांच

तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलटा एक दर्जन लोग हुए घायल, एक रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना की इमलिया चौकी अंतर्गत मनका गांव के समीप शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। पिकअप में12 लोग घायल हो गए घटना की सूचना राहगीरों द्वारा इमलिया चौकी प्रभारी सहित 108 वाहन को दी गई व घायलों को 108 की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के चलते उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सभी लोग सागर जिले के बंडा से लगून से वापस गांव लौट रहे थे। तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

जानकारी देते हुए घायल अशोक अहिरवार ने बताया कि हम लोग पिकअप वाहन में करीब 15 लोग सवार थे जो लगून कार्यक्रम से वापस अपने गांव मनका लौट रहे थे तभी गांव के नजदीक पहुंचते ही अंधे मोड पर पिकअप वाहन नियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया इस हादसे में 12 लोग घायल हो गए। इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर चक्रेश चौधरी के द्वारा सभी का इलाज किया गया

घायलों में धर्मू पिता मुन्ना अहिरवार 35 निवासी मनका पुलिस चौकी इमलिया को अधिक चोट आने पर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं अशोक अहिरवार, गोकूल, संजय चंद्रभान तुलसी, सौरभ, केरन, पिंटू पिता भजन लाल, टुटेली और राजू को मामूली चोट आई, जिनका प्राथमिक उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही इमलिया चौकी प्रभारी रमाशंकर मिश्रा घटनास्थल पहुंचे लेकिन तब तक घायल हुए लोग इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंच चुके थे जहां चौकी प्रभारी ने जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से जानकारी ली पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

विभाग की लापरवाही

किसानों को नहीं मिल रही कृषि यंत्रों की जानकारी

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के मानपुर, बिलासपुर और पाली क्षेत्रों में कृषि विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता के कारण उन्हें कृषि यंत्रों और सरकारी योजनाओं की सही जानकारी नहीं मिल पा रही है, जिससे वे सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। स्थानीय किसानों के अनुसार, विभागीय कार्यालयों में अक्सर कर्मचारी अनुपस्थित रहते हैं। दूर-दराज से आने वाले किसानों को घंटों इंतजार के बाद भी न तो अधिकारी मिलते हैं और न ही कोई संतोषजनक जानकारी दी जाती है। इस कारण अब किसानों ने कार्यालयों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। किसानों का कहना है कि कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सब्सिडी और अन्य योजनाओं की जानकारी समय पर नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई किसान ऐसे हैं जो पात्र होने के बावजूद योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

मेट्रो एंकर — केन-बेतवा लिंक परियोजना-मुआवजे को लेकर खजुराहो में बड़ी बैठक

विस्थापितों ने रखी 25 लाख रुपए और गांव के बदले गांव की मांग

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों के पुनर्वास और मुआवजे की गुत्थी सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। पर्यटन नगरी खजुराहो के होटल क्लार्क में कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विस्थापित होने वाले ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और मुआवजे से जुड़ी विसंगतियों को दूर करना था। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया और केन-बेतवा लिंक परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी नवीन गौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रशासन और परियोजना अधिकारियों ने रूंझ-मझगांय क्षेत्र से आए विस्थापितों के प्रतिनिधियों के साथ आमने-सामने बैठकर चर्चा की। बैठक का

माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, जहां अधिकारियों ने ग्रामीणों के पक्ष को बिना किसी दबाव के विस्तार से सुना। मुआवजे में 100त्न बढ़ोतरी का प्रस्तावबैठक के दौरान विस्थापित किसानों और प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर एक स्पष्ट रुख अपनाया। ग्रामीणों ने प्रमुख रूप से निम्नलिखित प्रस्ताव शासन के समक्ष रखे। ग्रामीणों ने मांग की कि वर्तमान में दी जाने वाली 12.5 लाख रुपए की मुआवजा राशि आज की महंगाई और विस्थापन के कष्ट को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। इसे बढ़ाकर 25 लाख रुपए किया जाना चाहिए। वर्तमान में पात्रता निर्धारण के लिए दो अलग-अलग कट-ऑफ तिथियां (निजी और आबादी) हैं। प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि इसे सरल और एकीकृत करते हुए 1 अप्रैल 2026 की नई कट-ऑफ तिथि निर्धारित की जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभ मिल सके। विस्थापितों ने पुरजोर तरीके से कहा कि उन्हें केवल नकद राशि न दी जाए, बल्कि गांव के बदले गांव बसाने की नीति पर काम हो, ताकि उनका सामाजिक ढांचा और सामुदायिक जीवन सुरक्षित रहे।

उच्च स्तर पर भेजा जाएगा प्रस्ताव

ग्रामीणों की दलीलों को सुनने के बाद जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया और परियोजना अधिकारी नवीन गौर ने आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर प्रशासन विस्थापितों के हितों के प्रति संवेदनशील है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुआवजे की राशि बढ़ाने और कट-ऑफ डेट में बदलाव जैसे नीतिगत निर्णय राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर होते हैं। इसलिए, बैठक में प्राप्त सभी सुझावों और मांगों को विस्तृत रिपोर्ट के साथ उच्च स्तरीय अधिकारियों और संबंधित मंत्रालयों को भेजा जाएगा।

खुशी मिली इतनी की मन में न समाए...

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। अरुण जेट्ली स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने दिल्ली को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। पंजाब किंग्स की शानदार जीत के जश्न में टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा भी शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर उनकी तमाम तस्वीरें वायरल हो रही हैं। टीम की इस ऐतिहासिक जीत के बाद मैदान पर जश्न का माहौल देखने लायक था। खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद उत्साहित नजर आईं और उन्होंने मैदान पर आकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस दौरान एक खास पल तब देखने को मिला जब युजवेंद्र चहल ने प्रीति जिंटा को गले लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। यह भावुक और खुशनुमा पल कैमरों में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस इस तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर मची हलचल

पंजाब की शानदार जीत

पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। दिल्ली ने केएल राहुल के नाबाद 152 रन की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। आईपीएल का यह सबसे सफल रन चेज है। ये रिकॉर्ड पहले भी पंजाब के ही नाम था जिन्होंने 2024 में केकेआर के खिलाफ दो विकेट पर 262 रन बनाए थे। अब पंजाब ने अपने इस रिकॉर्ड में सुधार किया है।

पंजाब का अजेय अभियान जारी

पंजाब का आईपीएल 2026 में अजेय अभियान जारी है और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों पर नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि श्रेयस 36 गेंदों पर तीन चौकों और सात छक्कों के सहारे 71 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल को एक सफलता मिली।

15 साल के सूर्यवंशी के बल्ले ने फिर उगली आग

12 छक्के, 5 चौके और 36 गेंद में शतक वैभव के तूफान में फिर उड़ गए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला। पहले वैभव ने 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और फिर 36 गेंद में शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके लगाए। अपनी इस तूफानी पारी में वैभव ने कई रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर डाले।

बता दें कि 15 साल के इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2026 में तीसरी बार 15 गेंदों में फिफ्टी बनाई है। इससे भी बड़ी बात यह है कि उन्होंने 36 गेंदों में शतक जड़ दिया। जो इस लीग में उनका दूसरा शतक है। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक भी है। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में गेंदों के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले वह आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ भी 15-15 गेंदों में अर्धशतक बना चुके हैं। इस मैच में सूर्यवंशी ने 37 गेंदों में 103 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 278.37 रहा।

आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक

30 गेंद - क्रिस गेल (2013)
35 गेंद - वैभव सूर्यवंशी (2025)
36 गेंद - वैभव सूर्यवंशी (2026)

सूर्यवंशी अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन (गेंदों के हिसाब से) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 473 गेंदों में हासिल की, जबकि Mitchell Owen ने 533 गेंदों में यह मुकाम पाया था।

वैभव का शानदार प्रदर्शन जारी

वैभव सूर्यवंशी का शानदार फॉर्म आईपीएल 2026 में भी जारी है. इससे पहले उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था और फाइनल में मैच जिताया था. वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था. उस समय उनकी उम्र सिर्फ 13 साल थी. अपने पहले ही आईपीएल सीजन में उन्होंने 7 मैचों में 252 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल था.

पंजाब ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा चेज किया

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब की टीम ने इतिहास रचे हुए आईपीएल ही नहीं बल्कि टी20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए केएल राहुल के शतक के दम पर 264 रन बनाए थे। लेकिन पंजाब ने ये मुकाबला एक ओवर, एक गेंद रहते ही चेज कर लिया। ये मुकाबला नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया।

जहां टॉस जीतकर दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। केएल राहुल के तूफानी 152 रनों की पारी के दम पर दिल्ली ने 264 रन बनाए थे। लेकिन पंजाब ने इसे भी चेज कर लिया।

265 रनों के जवाब में उतरी पंजाब की शुरुआत बेहद शानदार रही। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। 7वें ओवर में जब प्रियांश का विकेट गिरा तो पंजाब का स्कोर 126 रन हो गया था। प्रियांश ने 17 गेंद में 43 रन बनाए। लेकिन दूसरी तरफ प्रभसिनरन का तूफान जारी रहा। इसके बाद 8वें ओवर में प्रभसिमरन सिंह अपना विकेट गंवा बैठे। प्रभसिमरन सिंह के बल्ले से 26 गेंद में 76 रन आए। अपनी पारी में प्रभसिमरन सिंह ने 9 चौके और 5 छक्के लगाए।

टी20 मुंबई लीग 2026 के लिए रिटेंशन लिस्ट जारी

स्टार खिलाड़ियों की वापसी से बढ़ी चमक, बड़े नामों पर लगाया दांव

कराची, एजेंसी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग 2026 के लिए रिटेंशन लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें कई बड़े और अनुभवी खिलाड़ियों को उनकी टीमों ने बरकरार रखा है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और ऑलराउंडर शिवम दुबे जैसे स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी ने इस लीग की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर दिया है। यह रिटेंशन प्रक्रिया साफ तौर पर दिखाती है कि फ्रेंचाइजी इस सीजन को लेकर कितनी गंभीर और रणनीतिक हैं।

युवा और अनुभव का शानदार संतुलन- इस बार की रिटेंशन लिस्ट में सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि युवा प्रतिभाओं को भी खास जगह मिली है। अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे, साथ ही शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है। वहीं यशस्वी जायसवाल और अजिंक्य रहाणे को आइकन प्लेयर के तौर पर चुना गया है। यह मिश्रण टीमों को मजबूती देने के साथ-साथ भविष्य की दिशा भी तय करता है।

टीमों की रणनीतिरू हर फ्रेंचाइजी ने चुने

3 खिलाड़ी- आठों टीमों ने अपने-अपने तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया है। ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट ने सूर्यकुमार यादव को आइकन प्लेयर के रूप में बरकरार रखा है। सोबो मुंबई फाल्कन्स ने श्रेयस अय्यर को बनाए रखा, जबकि मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने तुषार देशपांडे पर भरोसा जताया।

लीग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता

एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने इस रिटेंशन को लीग के लिए एक मजबूत संकेत बताया। उनके अनुसार, बड़े खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की भागीदारी इस टूर्नामेंट के स्तर को और ऊंचा करेगी। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों को अनुभवी सितारों के साथ खेलने का मौका मिलना उनके करियर के लिए बेहद अहम साबित होगा। वहीं लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन राजदीप गुप्ता ने भी इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका मानना है कि यह संतुलन टी20 मुंबई लीग को और रोमांचक बनाएगा और दर्शकों को बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिलेगा।

अब नीलामी पर नजर

रिटेंशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की नजर आगामी नीलामी पर है। फ्रेंचाइजी अपने कोर खिलाड़ियों के साथ टीम को और मजबूत बनाने की तैयारी में हैं। उम्मीद की जा रही है कि 2026 का सीजन पहले से कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी और रोमांचक होगा। कुल मिलाकर, इस बार की रिटेंशन लिस्ट ने साफ कर दिया है कि टी20 मुंबई लीग अब सिर्फ एक स्थानीय टूर्नामेंट नहीं, बल्कि बड़े स्तर का क्रिकेट मंच बन चुकी है, जहां अनुभव और युवा ऊर्जा का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अब करोड़ों की कंपनी की सीईओ

नीना सरकार

लेजा लेजा रे गाने से रातोंरात बनीं स्टार और अचानक छोड़ दी इंडस्ट्री

साल 2006 में एक गाना आया था लेजा लेजा रे, जिसे श्रेया घोषाल और उस्ताद सुल्तान खान ने गाया था। वह गाना ब्लॉकबस्टर रहा, और उसमें नजर आई लड़की भी रातोंरात छा गई थी। एक अनजान लड़का, एक लड़की, बस स्टॉप और बारिश की कहानी ने खूबसूरत म्यूजिक के साथ ऐसा समां बांधा था कि वह गाना और वो लड़की आज भी दर्शकों के जेहन में बसी है। जानते हैं कि अब वो लड़की कहां है और उसका नाम क्या है? क्यों एक बार फिर उसकी चर्चा हो रही है? उस लड़की का नाम नीना सरकार है। नीना ने कई साल पहले बॉलीवुड और ग्लैमर की दुनिया छोड़ दी थी, और आज वह एक कंपनी की सीईओ बन गई हैं। साल 2006 में लेजा लेजा रे गाने के रिलीज होते ही नीना सरकार हर किसी के दिल की धड़कन बन गई थीं। आंखों और चेहरे की मासूमियत हर किसी को दीवाना बना गई थी। लेकिन इसके बावजूद नीना गुप्ता ने बॉलीवुड और शोबिज की दुनिया से दूरी बना ली और फिर कभी नजर नहीं आईं। जिस वक्त नीना सरकार ने लेजा लेजा रे गाना किया था, तब वह 17 साल की थीं और एक मॉडल थीं। शूट के दौरान गाने में उन्हें कॉन्टैक्ट लेंस पहनने पड़े थे। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने के लिए नीना सरकार को उनकी खूबसूरत आंखों की वजह से ही चुना गया था, पर फिर भी लेंस पहनाए गए। उस वक्त नीना सरकार के बाल भी बॉयकट थे और पर्पल कलर के थे, तो मेकर्स को हेयर एक्सटेंशन लगाने पड़े थे।

अब क्या करती हैं नीना सरकार?

उस वक्त गाने में नीना सरकार को देख कोई नहीं पहचान पाया था, और आज भी पहचान नहीं पाएंगे। लेकिन अब नीना सरकार शोबिज से काफी दूर हैं। वह एक बेंगलुरु में एक CEO, फाउंडर, राइटर और एक बिजनेस की मालकिन हैं। वह एक कंटेंट सलूशन्स फर्म संभाल रही हैं। नीना हाल ही तब चर्चा में आ गईं, जब 9 अप्रैल को उन्होंने लेजा लेजा रे गाने के 20 साल होने पर एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया।

फिर धड़केगा दिलों में संजय दत्त का नाम

खलनायक रिटर्न्स- वापस आ रहा है प्यार और जुनून का बल्लू बलराम

मुंबई । अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म %खलनायक% का एंटी-हीरो किरदार %बल्लू बलराम% अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है।

सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा, ÷हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू %खलनायक रिटर्न्स% के साथ वापस आ गए हैं। मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और पूरी टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

संजय दत्त ने खुद %खलनायक रिटर्न्स% फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म 1993 की

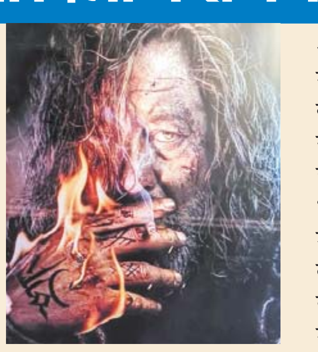

मूल %खलनायक% का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। %बल्लू बलराम% का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म %खलनायक% उस समय की कल्ट क्लासिक बन गई थी। इसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित, जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। मुंबई में एक इवेंट के दौरान संजय दत्त ने घोषणा की कि उनकी कंपनी 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं।

मेट्रो बाजार

टेक्नोलॉजी बदल रही ट्रेडिंग, निवेश और सलाह के तरीके: सेबी चेयरमैन

मुंबई । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को कहा कि टेक्नोलॉजी तेजी से ट्रेडिंग, निवेश वितरण और सलाह देने के तरीके को बदल रही है, क्योंकि बाजार में नई पीढ़ी के निवेशक आ रहे हैं। देश की आर्थिक राजधानी में सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज के निवेशक डिजिटल रूप से जुड़े हुए, जागरूक और महत्वाकांक्षी हैं।

उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के कारण ट्रेडिंग, निवेश सेवाएं और सलाह देने के तरीके बदल रहे हैं, साथ ही पूंजी का प्रवाह अब वैश्विक हो गया है और जोखिम भी आपस में जुड़े हुए हैं। पांडे ने भारतीय शेयर बाजार में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह सिर्फ आकार या आंकड़ों की कहानी नहीं है, बल्कि यह निवेशकों के भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने कहा, आज भारतीय शेयर बाजार क्या दर्शाता है? यह केवल आंकड़े या आकार नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतिबिंब है।

मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि भारत में आज 5,900 से ज्यादा सूचीबद्ध कंपनियां हैं और 14 करोड़ से अधिक यूनिक निवेशक मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में बाजार पूंजीकरण लगभग 15 प्रतिशत की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि म्यूचुअल फंड की संपत्ति हर साल 20 प्रतिशत से ज्यादा की दर से बढ़ी है। इसके अलावा, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार भी लगातार बढ़ रहा है और हर साल प्राथमिक बाजार के जरिए करीब 10 लाख करोड़ रुपए की पूंजी जुटाई जाती है।

वैश्विक एआई दौड़ के बीच गूगल एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक का करेगा निवेश

नई दिल्ली । अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में बड़ा दांव खेलते हुए एआई कंपनी एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक निवेश करने की योजना बनाई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब दुनियाभर की बड़ी टेक कंपनियां एडवांस एआई मॉडल और इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्रस्तावित निवेश में शुरुआती तौर पर 10 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा, जो एन्थ्रोपिक के 380 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर आधारित होगा। इसके बाद बाकी 30 अरब डॉलर का निवेश कंपनी के प्रदर्शन से जुड़े लक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा।

यह निवेश दोनों कंपनियों के बीच पहले से चल रही साझेदारी को और मजबूत करता है। इस साझेदारी के तहत गूगल, एन्थ्रोपिक को क्लॉड इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है और उसके एआई मॉडल, खासकर क्लॉड सीरीज तक पहुंच देता है। इसके अलावा, एन्थ्रोपिक, गूगल के कस्टम टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) का इस्तेमाल करता है, जो पारंपरिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) का एक विकल्प हैं। एआई टूल्स की बढ़ती मांग के कारण कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी को देखते हुए एन्थ्रोपिक ने हाल ही में गूगल और ब्रॉडकॉम के साथ मिलकर 5 गीगावाट कंप्यूट क्षमता हासिल की है और इसे आगे और बढ़ाने की योजना है। दिलचस्प बात यह है कि साझेदारी के बावजूद दोनों कंपनियां एआई बाजार में एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी भी हैं। गूगल के जेमिनी मॉडल, एन्थ्रोपिक के एआई मॉडल्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। गूगल ने 2023 में पहली बार एन्थ्रोपिक में 300 मिलियन डॉलर का निवेश किया था, जिससे उसे लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी।

सांभर झील: हर साल आते हैं हजारों विदेशी मेहमान

» कुछ दिनों बाद नहीं दिखेगा जयपुर का 'गुलाबी जादुई' नजारा

जयपुर से करीब 80 कि.मी. दूर स्थित सांभर झील इस समय पूरी तरह गुलाबी रंग में रंगी हुई है। यहां हजारों की संख्या में आए पिंक फ्लेमिंगो अपनी खूबसूरती बिखेर रहे हैं। चूंकि गर्मी बढ़ते ही ये पक्षी वापस लौट जाते हैं, इसलिए इन्हें देखने का यह आखिरी मौका है।बता दें कि हर साल हजारों फ्लेमिंगो और अन्य प्रवासी पक्षी बहुत दूर के देशों से यहां आते हैं। झील का खारा पानी उनके लिए खास भोजन देता है, जिसे खाकर इन पक्षियों का गुलाबी रंग और भी गहरा हो जाता है। अप्रैल के अंत तक यहां का नजारा देखने लायक होता है, लेकिन जैसे ही तापमान बढ़ता है और पानी कम होने लगता है, ये पक्षी वापस जाना शुरू कर देते हैं। अगर आप अभी जयपुर जा रहे हैं, तो इस झील को जरूर देखें, वरना फिर आपको अगले साल तक का इंतजार करना पड़ेगा।

न्यूज विंडो

सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

मुंबई।एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून 2020 में अपने घर पर सुसाइड कर लिया था। इसके बाद आशंका थी कि वो सुसाइड नहीं मर्डर है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती का नाम सबसे आगे आया था। तब से ये केस अदालत में जारी है। अब इस मामले में रिया को बड़ी राहत मिली है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने उनके और उनके परिवार के बैंक खातों को डी-फ्रीज (फिर से चालू) करने का आदेश दिया है। अब कोर्ट ने कहा है कि ऐसा करना सही तरीके से नहीं किया गया था।कोर्ट ने साफ कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जरूरी कानूनी प्रक्रिया का ठीक से पालन नहीं किया। यानी जांच के दौरान जो नियम फॉलो करने चाहिए थे, उनमें कमी रह गई। इसी वजह से अदालत ने खातों को फिर से खोलने का आदेश दिया।यह पूरा मामला 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। उसी दौरान ड्रग्स एंगल सामने आया था और रिया चक्रवर्ती व उनके परिवार की जांच हुई थी।इस फैसले के बाद रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार को अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करने की इजाजत मिल गई है। इसे उनके लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से उनके अकाउंट फ्रीज थे।

दुबई में बैठे आकिब ने पासपोर्ट फाड़कर भारत न लौटने की दी धमकी

लखनऊ। दुबई में बैठा संदिग्ध आतंकी आकिब सोशल मीडिया के जरिए लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। यूपी एटीएस की कार्रवाई के बाद भी उसकी ऑनलाइन सक्रियता थमी नहीं है। इंस्टाग्राम पर नया वीडियो पोस्ट कर उसने न सिर्फ भड़काऊ बयान दिए, बल्कि अपना पासपोर्ट फाड़ते हुए भारत न लौटने की बात भी कही।

जांच एजेंसियां उसकी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं और उसे भारत लाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि यूपी एटीएस ने दो अप्रैल को लखनऊ, मेरठ और गौतमबुद्धनगर से साकिब, अरबाब, लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि आरोपी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे और विस्फोट व आगजनी की साजिश रच रहे थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मेरठ के आकिब ने ही साकिब का संपर्क पाकिस्तानी हैंडलर्स से कराया था।

मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का निधन लंबी बीमारी के बाद ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने फोटोग्राफरों में शुमार रघु राय का रविवार तड़के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। रघु राय ने अपनी कैमरे की नजर से भारत के विविध रंगों और जीवन के अनेक पहलुओं को दुनिया के सामने पेश किया। उनके बेटे और फोटोग्राफर नितिन राय ने बताया, 'पिता को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था, जिसका इलाज हो गया था। इसके बाद कैंसर पेट तक फैला, वह भी ठीक हो गया। हाल ही में कैंसर उनके मस्तिष्क तक पहुंच गया था और उम्र से जुड़ी अन्य समस्याएं भी थीं।' रघु राय अपने पीछे पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और बेटियां लगन, अवनि और पूर्वई को छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम 4 बजे लोधी श्मशान घाट में किया जाएगा।

ममता बनाम शुभेंदु: हाई-प्रोफाइल मुकाबले पर देशभर की नजरें टिकीं

मां काली की धरती पर जय जगन्नाथ भरोसा बनाम बेटी की दिलचस्प जंग

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में अगर कोई सीट पूरे राज्य के सियासी मिजाज का आइना बनी हुई है, तो वह भवानीपुर है। इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले पर देशभर की नजरें टिकी हैं। यहां सीएम ममता बनर्जी और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी आमने-सामने हैं। मतदान की तारीख करीब आने के साथ चुनावी तापमान भी चढ़ता जा रहा है। कालीघाट से भवानीपुर के जग्गू बाजार की ओर बढ़ते ही सियासत का रंग बदलता नजर आता है।

मां काली की आस्था वाली जमीन पर चुनावी प्रचार भी बहुभाषी हो चुका है। कहीं, ममता के गुजराती में पोस्टर दिखते हैं, तो कुछ दूरी पर ओड़िया भाषा में जय जगन्नाथ लिखे बैनर नजर आते हैं। यहां हर समुदाय और हर वोट तक पहुंचने के लिए पार्टियां अलग-अलग रणनीति के साथ मैदान में हैं। इस बार सिर्फ मुद्दों की नहीं, भरोसा बनाम उन्नयन और भवानीपुर की बेटी की सीधी टक्कर है। दोनों दल एक-एक घर तक पहुंच बनाकर वोटरों को साधने में जुटे हैं।

हर समुदाय को साधने की कोशिश

भवानीपुर में ही प्रसिद्ध आदि शक्तिपीठ कालीघाट काली मंदिर है। पूरा इलाका तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के पोस्टरों-बैनरों से पटा हुआ है। कहीं-कहीं वाम दलों के झंडे भी नजर आ जाते हैं। चक्रबेरिया नंबर 6 में टैक्सी चलाने वाले अजीत बताते हैं कि इस इलाके में गुजराती, ओड़िया, बिहारी और मारवाड़ी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। यही वजह है कि यहां बांग्ला के साथ-साथ गुजराती और ओड़िया भाषा में भी पोस्टर और बैनर दिखाई देते हैं। अजीत कहते हैं कि यहां जय बांग्ला से ज्यादा भगवान जगन्नाथ का नाम सुनाई देता है।

गली नहीं, मकान नहीं, हर एक वोट पर नजर

पद्मपुखुर रोड के निवासी धनंजय कहते हैं, यहां माहौल ऐसा ही है, एक गली में तृणमूल तो दूसरी गली में भाजपा का असर दिखता है। भवानीपुर में मुकाबला गली या मकान का नहीं, बल्कि हर एक व्यक्ति और हर एक वोट का हो गया है। जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, दोनों ही पार्टियों की धड़कनें तेज होती जा रही हैं। नतीजे पर धनंजय कहते हैं, कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। यह चुनाव क्रिकेट मैच की तरह है, जो सही रणनीति बनाएगा, बेहतर फील्डिंग सजाएगा और मजबूत बल्लेबाजी करेगा, वही जीतेगा।

बाहरी बनाम भवानीपुर की बेटी

भाजपा ने भय से मुक्ति व भरोसा का नारा दिया है। इसके मुकाबले तृणमूल उन्नयन और भवानीपुर की बेटी का भावनात्मक कार्ड खेल रही है। ममता का घर कालीघाट क्षेत्र में ही स्थित है। इसे तृणमूल कांग्रेस स्थानीय जुड़ाव के तौर पर पेश कर रही है। वहीं भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु को बाहरी बताने की भी कोशिश हो रही है। तृणमूल का जोर इस बात पर है कि भवानीपुर की बेटी ममता बनर्जी ही हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में साथ रही हैं।

जालंधर आवास से हटाए गए सभी सुरक्षाकर्मी

पंजाब सरकार ने हरभजन सिंह से वापस ली जेड प्लस सुरक्षा

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब की राजनीति में उठापटक के बीच मान सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली है।सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया। इस कदम ने सियासी हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी के भीतर टूट और बगावत की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

राघव चड्ढा से भी वापस ली गई थी सुरक्षा

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा वापस लेने का निर्णय हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर लिया गया है। इससे पहले आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की सुरक्षा में भी बदलाव किया

गया था। बाद में उन्हें केंद्र की ओर से जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिल गई थी। अब हरभजन सिंह को लेकर उठे इस कदम को उसी कड़ी में देखा जा रहा है।दरअसल, राघव चड्ढा ने दावा किया था कि आप के सात राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं, जिनमें हरभजन सिंह का नाम भी शामिल बताया गया। हालांकि, हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, आप नेतृत्व ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि केवल तीन सांसदों ने ही पार्टी छोड़ी है।

सीतापुर में सड़क हादसा: मां-बेटे समेत तीन की मौत, ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर

सीतापुर। गोला मार्ग पर शनिवार की देर रात मार्ग दुर्घटना में मां - बेटे सहित तीन की मौत हो गई। रामकोट के अरथाना निवासी हिमांशु पांडेय अपनी मां रेखा व गांव की सुनीता वाजपेयी के साथ बाइक पर सवार होकर लखीमपुर के कलिया गांव में रिश्तेदारी में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से देर रात सभी वापस आ रहे थे। गोला मार्ग पर अंगरासी के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल लाया गया जहां मृत घोषित कर दिया गया। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि ट्रक छोड़कर चालक भाग गया है, तलाश की जा रही है।

कोलंबिया: बस में बम धमाके से गई सात की जान, कई घायल

बोगोटा, एजेंसी

कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टाविओ गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया।

सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेम मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से

अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था।राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि काजिबियो में सात नागरिकों की हत्या करने वाले लोग आतंकवादी और ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मरने वालों में कई लोग आदिवासी समुदाय के थे।

अहमदाबाद: फैक्ट्री में आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की गाड़ियां

अहमदाबाद, एजेंसी

स्थित छपरा एक्सटेंशन में एक फैक्ट्री में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री में प्लास्टिक के दाने बनाने का काम होता है। पुलिस के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह करीब 9 बजे मिली थी। इसके तुरंत बाद, फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर रवाना कर दिया गया।

एडिशनल चीफ फायर ऑफिसर मिहिर राणा ने बताया कि 'बापूनगर इलाके में प्लास्टिक के दाने बनाने वाली एक कंपनी है, जहां हमें आग लगने की सूचना मिली थी। गोमतीपुर फायर स्टेशन की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। सभी गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं।'

वहीं अहमदाबाद शहर के डीसीपी (जोन-5) जितेंद्र अग्रवाल ने कहा कि,

'पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पाने की कोशिशें की जा रही हैं। हमें आज सुबह 9 बजे सूचना मिली थी और तभी से आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।' डीसीपी के मुताबिक फैक्ट्री में चश्मे के ऊपर के केस और खोखा बनाने का काम होता है।

अधिकारियों ने फिलहाल आग किस वजह से लगी इसपर जानकारी नहीं दी है। आग लगने से फैक्ट्री को कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन आग पर काबू पा लेने के बाद ही हो सकेगा।

मेट्रो एंकर

सर्वोच्च अदालत ने दोषी महिला अफसर को दी जमानत!

अजब-गजब: चूहे खा गए रिश्वत के पैसे! सुप्रीम कोर्ट हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। बिहार की एक महिला अधिकारी के खिलाफ रिश्वत मामले की सुनवाई के दौरान यह दलील दी गई कि जब्त किए गए घूस के नोट चूहों द्वारा नष्ट कर दिए गए। इस अजीबोगरीब तर्क पर अदालत ने हैरानी जताते हुए आरोपी अधिकारी को राहत दी और उनकी सजा पर रोक लगाते हुए जमानत मंजूर कर ली। यह मामला बिहार की पूर्व चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑफिसर अरुणा कुमारी से जुड़ा है। उन पर 10,000 की रिश्वत मांगने का आरोप था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पहले ट्रायल कोर्ट ने अरुणा कुमारी को बरी कर दिया था। लेकिन बाद में पटना हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए उन्हें दोषी ठहराया और अलग-अलग धाराओं में चार साल और तीन साल की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि जब्त की गई रिश्वत की रकम अदालत में पेश नहीं की जा सकी, क्योंकि नोट कथित तौर पर चूहों द्वारा नष्ट हो गए थे।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी-यह राज्य के लिए राजस्व नुकसान है

मामले की सुनवाई जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान

अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें यह जानकर हैरानी हुई कि बरामद नोट चूहों द्वारा नष्ट कर दिए गए। यह राज्य के लिए राजस्व नुकसान है और ऐसा स्पष्टीकरण भरोसेमंद नहीं लगता। अदालत ने संकेत दिए कि इस तरह की दलीलों की गहन जांच आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले के तथ्यों को देखते हुए अरुणा कुमारी की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है और उन्हें जमानत दे दी है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि मामले की विस्तृत अंतिम सुनवाई बाद में की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले में अगली सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। यह देखना अहम होगा कि अदालत इस अनोखी दलील और साक्ष्यों की कमी को लेकर आगे क्या रुख अपनाती है।

मालखाना रजिस्टर में है राशि की एंट्री

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट के उस अवलोकन पर भी ध्यान दिया, जिसमें ये कहा गया था कि सीज की गई रिश्वत की राशि वाला लिफाफा चूहों ने नष्ट किया। हालांकि, मालखाना रजिस्टर में उसकी एंट्री थी।पटना हाईकोर्ट ने इसमें माना था कि सिर्फ रकम का नष्ट हो जाना मामले को कमजोर नहीं करता, अगर अन्य सबूत दोष सिद्ध करने के लिए काफी हों।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564